जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 31 जनवरी, 2026

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA Pavitra

चलता है...

केडिया में नहीं चलता है...

चलता है का दौर खत्म
अब क्वालिटी का होगा आंदोलन

HIGHEST GRADE • EXPORT QUALITY • NO ADULTERATION • NO PRESERVATIVES

जयपुर 26-01-2026

मन की बात • पीएम बोले- 10 साल में भारत तीसरा सबसे बडा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना

चलता है का दौर खत्म, सिर्फ क्वालिटी मंत्र: मोदी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- 'चलता है' की सोच के साथ देश आगे नहीं बढ़ सकता। हर सेक्टर में क्वालिटी को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने स्टार्टअप और उद्योग जगत से अपील की कि वे सिर्फ क्वालिटी को मंत्र बनाएं। भारतीय उत्पादों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए काम करें। रविवार को इस साल के पहले रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में पीएम ने कहा, भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। यह जरूरी है कि जो भी भारत में बने, उसकी गुणवत्ता वैश्विक मानकों पर खरी उतरे। टेक्सटाइल, टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स या पैकेजिंग- हर भारतीय उत्पाद टॉप क्वालिटी का प्रतीक बनना चाहिए।

यूएई की 'ईयर ऑफ द फैमिली' पहल को सराहा

पीएम ने यूएई द्वारा 2026 को 'ईयर ऑफ द फैमिली' घोषित करने की सराहना की। उन्होंने इसे भारत की पारिवारिक परंपरा से जोड़ा। पीएम ने गुजरात के चंदनकी गांव के सामुदायिक रसोई मॉडल का जिक्र करते हुए कहा कि परिवार और समुदाय सामाजिक मजबूती की बुनियाद हैं।

अब संकल्प लेना चाहिए, क्वालिटी, क्वालिटी और सिर्फ क्वालिटी। मन की बात के 130वें एपिसोड में पीएम ने स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया। कहा- जनवरी 2016 में शुरू हुई यह पहल तब कई लोगों को समझ में नहीं आई। देश के युवाओं ने जोखिम उठाया, नए प्रयोग किए और इसे जन आंदोलन बना दिया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश के स्टार्टअप एआई, अंतरिक्ष, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकं... मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन... बायोटेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर में काम कर रहे हैं। आज देश में 2 लाख से ज्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं।

जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट: पीएम ने स्वतंत्रता दिवस पर दिए 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट' संदेश को दोहराया। कहा- टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग के जरिए ही विकसित भारत का लक्ष्य मिलेगा।

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- रोस्टेड फ्लेवर्ड मखाने
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- ब्लेंडेड मसाले
- हिमालयन पिंक सॉल्ट
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- सोया चंक्स
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

ईश्वर द्वारा निर्मित जल और वायु की तरह सभी चीजों पर सबका समान अधिकार होना चाहिए। –महात्मा गाँधी

दुनिया की आधी आबादी जल संकट का शिकार

संयुक्त राष्ट्र की एक नवीनतम रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया में आधी आबादी यानी करीब 4 अरब लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया के 100 सबसे बड़े शहरों में आधे शहरों को गंभीर पानी की कमी का सामना करना पड रहा है। इनमें दिल्ली, बीजिंग, न्यूयॉर्क और रियो जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार 39 शहरों में स्थिति बेहद गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक, नदियां और झीलें सिकुड़ रही हैं, भूमिगत जल स्तर गिर रहा है और वाटरलैंड सूख रही हैं। जमीन धंस रही है सिंकहोल बन रहे हैं और रेगिस्तान फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दिल्ली चौथे स्थान पर है। कोलकाता 9वें, मुंबई 12वें, बेंगलुरु 24वें और चेन्नई 29वें स्थान पर हैं। इसके अलावा हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत और पुणे भी लंबे समय से पानी की कमी झेल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले कई दशकों के दौरान सिमटते भूजल स्त्रोतों, अत्यधिक दोहन, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से, दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर वैश्विक जल दिवालिएपन की स्थिति में क़दम रख चुकी है।

आज विश्व में सर्वत्र जल का संकट व्याप्त है। विश्व में चहुंमुखी विकास का दिग्दर्शन हो रहा है। किंतु स्वच्छ जल मिल पाना कठिन हो रहा है। साफ जल की अनुपलब्धता के चलते ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। इंसान जल की महत्ता को लगातार भूलता गया और उसे बर्बाद करता रहा, जिसके फलस्वरूप आज जल संकट सबके सामने है। पृथ्वी का तीन चौथाई भाग पानी से ढका है मगर इस जल का 99 प्रतिशत पानी पिया नहीं जा सकता और पीने योग्य पानी पृथ्वी पर मात्र एक प्रतिशत ही है जो नदियों तालाबों झीलों में ही मौजूद है हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जल टिकाऊ विकास के लिए बेहद अहम है। सुरक्षित व स्वच्छ पानी तक पहुँच एक बुनियादी मानव अधिकार है। आज जल संकट एक वैश्विक चुनौती है। वर्तमान में विश्व भर में अरबों लोगों की स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है। हर साल अनुमानत: आठ लाख लोगों की मौत ऐसी बीमारियों के कारण हो जाती है जो असुरक्षित पानी अपर्याप्त स्वच्छता और साफ़–सफ़ाई की कम आदतों के कारण फैलती हैं।

1.35 अरब से अधिक की आबादी के बावजूद भारत के पास दुनिया के ताजे जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत ही है। कई राज्य हैं जो भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। जल के बिना मानव जिन्दा नहीं रह सकता। क्योंकि मानव शरीर का एक बड़ा हिस्सा जल होता है। यह सब मानव को मालूम होते हुए भी जल को बिना सोचे-विचारे हमारे जल-स्त्रोतों में ऐसे पदार्थ मिला रहा है जिसके मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है। जल हमें नदी, तालाब, कुएँ, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जल की उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है।

दुनिया का 70 फीसदी हिस्सा पानी से घिरा है लेकिन उसमें से पीने योग्य पानी लगभग तीन फीसदी ही है। 97 फीसदी पानी ऐसा है जो पीने लायक ही नहीं है। अब तीन फीसदी पानी पर पूरी दुनिया जीवित है। जल संसाधन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में एक वर्ष में उपयोग किए जाने वाले जल की शुद्ध मात्रा अनुमानित 1,121 बिलियन क्यूबिक मीटर है। जबकि वर्ष 2025 में पीने वाले पानी की मांग 1093 और 2050 तक बढ़कर 1447 बीसीएम तक पहुंच सकती है। 1.35 अरब से अधिक की आबादी के बावजूद भारत के पास दुनिया के ताजे जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत ही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई राज्य हैं जो भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से भूजल संकट गहरा सकता है। जल के बिना मानव जिन्दा नहीं रह सकता। क्योंकि मानव शरीर का एक बड़ा हिस्सा जल होता है। यह सब मानव को मालूम होते हुए भी जल को बिना सोचे-विचारे हमारे जल-स्त्रोतों में ऐसे पदार्थ मिला रहा है जिसके मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है। जल हमें नदी, तालाब, कुएँ, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जल की उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। जनसंख्याा में तेजी हो रही वृद्धि, शहरीकरण, औद्योगीकरण, जलवायु परिवर्तन और अकुशल जल प्रबंधन प्रथाओं जैसे कारकों के संयोजन की वजह से पानी की कमी की व्यापक समस्या पैदा होती जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय में पानी की कमी के गंभीर और दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

सायबर क्राइम और बेरोजगारी

राम निवास बैरवा

कई मामलों में यह पाया गया है कि बेरोजगारी तथा बेरोजगार पूंजीवादी अपराध तन्त्र की अनिवार्य आवश्यकता है। अपराध तन्त्र बेरोजगारों को रोजगार देता है या बेरोजगारी पूंजीवादी अपराध तन्त्र को बढ़ावा देती है, इस तथ्य पर अलग-अलग विचार और मान्यताएं हो सकती है। परन्तु अपने सम्पूर्ण ताने-बाने में अपराध तन्त्र को पोषण बेरोजगारी और बेरोजगारों से कई कोणों से मिलता है।

पूंजीवादी लोकतन्त्र में जहां, सामुदायिक संसाधन का संकेद्रण कुछ ही लोगों, पूंजीपतियों और पूंजीवाद के पोषक नौकरशाहों के हाथों में होता है; वहीं आम जनसंख्या का बहुत बड़ा भाग बेरोजगार होता जाता हैं क्योंकि सामुदायिक संसाधनों के संकेद्रण के साथ ही गरीबी और गरीबों की संख्या बढ़ती जाती है।

जब "पैसा कैसे कमाया जाये" जैसी बातों पर पूंजीवादी सलाहकारों के द्वारा सलाह दी जाती है तो वह उच्च वर्गों, बड़े अफसरों तथा सत्तासीन बड़े नेताओं के लिए नहीं होती है बल्कि उच्च मध्यम वर्गों या मध्यम वर्गों के लिए होती है जो पूंजीवादी चमक-धमक में जीना चाहते हैं, परन्तु पूंजीगत संसाधनों की कमी उन्हें और पैसा बनाने के लिए प्रेरित करती है, अत: जहां से भी, जो भी उन्हें और पैसा बनाने को प्रेरित करता है, वे आसानी से उस ओर चल पड़ते हैं। ड्रग माफिया, स्मगलिंग, शेयर बाजार, व्यापार, दलाली आदि ये वो बड़े धंधे है जिनमें आमतौर पर दूसरों को अपने व्यवसाय के जाल में फसा कर पैसा बनाते है और फलते-फूलते हैं।

पैसा बनाना और पैसा कमाना दोनों अलग-अलग व्यवसाय हैं। जहां पैसा कमाने में स्वयं की मेहनत होती है वहीं पैसा बनाने में दूसरों को अपने जाल में फंसाना होता है। बेरोजगारी को जब मेहनत से कमाने का अवसर नहीं दिया जाता है तब वे पैसा बनाने के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित होते हैं और साथ ही अपने जैसे दूसरे बेरोजगारों को अपने जाल में फंसने के लिए उकसाते हैं।

सायबर क्राइम की दुनिया में संचार साधनों के विकास का भरपूर फायदा उठाया जाता है। यह एक तथ्य है कि सायबर क्राइम का सारा लेन-देन केवल बैंक खातों के माध्यम से ही होता है; इसके लिए उन्हें बहुत बड़ी संख्या में और विभिन्न स्थानों पर बैंक खातों के संचालन की आवश्यकता होती है।

सायबर क्राइम में लड़कों और लड़कियों की भूमिकाएं समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। ज्यों-ज्यों उच्च स्तर की शिक्षा लड़कों-लड़कियों को भावी जीवन का सम्मोहन, अच्छे रोजगार के सपने दिखाती है वहीं बेरोजगारी के अनिश्चित जीवन की संभावनाए उन्हें विचलित भी कर देती हैं। इसी डर और सम्भावना के बीच लड़कियां दोहरा रास्ता अपनाकर अपने सौंदर्य और देह आकर्षण को पैसा बनाने के लिए इस्तेमाल करने लगती हैं जहां वे संचार साधनों के माध्यम से पैसा बनाने के लिए लालयित लोगों को आकर्षित करके उन्हें अपने अपराधिक व्यवसाय में फंसाने का सफल प्रयास करती हैं; वहीं लड़कों को कुछ पैसा बनाने का लालच देकर बैंक खाते खुलवाकर उनकी पास बुकें, चैक बुकें और एटीम कार्ड अपने पास रख लेते हैं तथा उन बैंक खातों में दिये जाने वाले मोबाइल नंबर उस खाता धारकों के नहीं होते हैं बल्कि सायबर क्रिमिनल्स के पास ही होते हैं। मोबाइल कम्पनियां अपने मोबाइल धारकों की संख्या को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए अपने एजेंटों के माध्यम से थोक में फर्जी के.वाई.सी., पहचान पत्रों के आधार पर कई मोबाइल सिम देती हैं। इस प्रकार सायबर अपराधियों के पास सैकड़ों की संख्या में मोबाइल संख्याएं, सैकड़ों की संख्या में बैंक खाते होते हैं। जिस प्रकार से नशीली दवाओं को बेचने वाले स्कूलों, कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों के आस-पास रहकर विद्यार्थियों का नशे का आदि बनाते है उसी प्रकार ऐसे शिक्षण संस्थानों के वयस्क युवक-युवतियों को कुछ पैसों का लालच देकर उनसे बैंक खाते खुलवाते है। इस प्रकार से वे तात्कालीक आमदनी को देखकर ऐसा करते है और अपने भविष्य को सायबर अपराधियों के पास बंधक रख देते है और पुलिस रिकार्ड में अपराधी बन जाते हैं।

ऐसा नहीं है कि सायबर अपराधी ही इस प्रकार के बैंक खातों को अपने पास रखते हों बल्कि कई लोग सिर्फ बैंक खातों का 'बैंक' बनाकर रखते हैं जो मांग के अनुसार सायबर अपराधियों को जानकारी देते है और उन दिये गये बैंक खातों से लेन-देन केवल कुछ ही घंटों के लिए किया जा सकता है। इनमें बचत खाते और करंट एकाउंट भी होते है जो छोटी-मोटी कम्पनियों, फर्मों के नाम से बनाये जाते है। ऐसी पाबंदी लगाने से सायबर अपराधी यह दबाव बनाते है कि जाल में फंसा व्यक्ति जल्दी से जल्दी पैसा उन बैंकों से ट्रांसफर कर दे और इस प्रकार से उन सायबर अपराधियों के द्वारा पैसा बटोरने का काम हाथों-हाथ पूरा हो जाये। जब पुलिस सायबर अपराधियों पर कोई कार्यवाही करती है तो वह सिर्फ पैसों का लेन-देन करने वाले बैंक खातों और बैंक खाता धारकों के खिलाफ ही करती है। असली सायबर अपराधी अदृश्य ही बने रहते है।

इस प्रकार से बेरोजगारी के कारण सायबर अपराध का विशाल ताना-बाना बुना जाता है जिसमें अन्तत: बेरोजगार युवक-युवतियां ही लक्ष्य होते है; जिनको अपना सम्मानजनक जीवन जीने के लिए रोजगार प्राप्त करना अंधकारमय लग रहा होता है। सामुदायिक संसाधनों के पूंजीवादी दुरूपयोग के चलते ही यह सब किया जा रहा हैं और यह सम्भव बना है संचार संसाधनों के संकेन्द्रित पूजीवादी दुरूपयोग के कारण।

–राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्यनिधि आयुक्त

भारत का आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 : एक आलोचनात्मक दृष्टि

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

भारत सरकार का आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, जो 29 जनवरी 2026 को संसद में पेश किया गया, देश की आर्थिक स्थिति का एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के नेतृत्व में तैयार यह दस्तावेज़ पुशिंग द ग्रोथ फ्रंटियर की थीम पर केंद्रित है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत विकास क्षमता को रेखांकित करता है। सर्वेक्षण वित्त वर्ष 2026 (2025-26) के लिए वास्तविक जीडीपी विकास को 7.4 प्रतिशत अनुमानित करता है, जबकि वित्त वर्ष 2027 (2026-27) के लिए 6.8-7.2 प्रतिशत की रेंज में रखता है।

यह भारत को लगातार चौथे वर्ष दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है। हालांकि, यह सर्वेक्षण केवल सकारात्मक चित्रण नहीं है; इसमें वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिमों, मुद्रा अवमूल्यन और घरेलू चुनौतियों की चर्चा भी है। इस लेख में हम सर्वेक्षण की मजबूतियों, कमजोरियों और नीतिगत निहितार्थों की आलोचनात्मक समीक्षा करेंगे, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है।

सर्वेक्षण की सबसे बड़ी ताकत भारत की मैक्रोइकोनॉमिक स्थिरता को उजागर करना है। 2026 में जीडीपी विकास 7.4 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो मजबूत घरेलू मांग, निजी उपभोग और निवेश पर आधारित है। निजी उपभोग जीडीपी का 61.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो एक दशक का उच्चतम स्तर है, जबकि ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन (जीएफसीएफ) 30 प्रतिशत के आसपास है। मुद्रास्फीति अप्रैल-दिसंबर 2025 में 1.7 प्रतिशत के बहु-वर्षीय निचले स्तर पर रही, जो आपूर्ति-पक्ष की दक्षताओं और कृषि उत्पादकता से संभव हुई। राजकोषीय घाटा 2021 के 9.2 प्रतिशत से घटकर 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया है, और 2026 के लिए 4.4 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त करने की राह पर है। बैंकिंग सेक्टर मजबूत है, एनपीए कम हैं, और विदेशी मुद्रा भंडार दोगुना हो चुके हैं। सर्वेक्षण गोल्डीलॉक्स मोमेंट की बात करता है, जहां उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का संतुलन है। यह वैश्विक चुनौतियों भू राजनीतिक संघर्ष, व्यापार विखंडन के बीच भारत के बाजार के लचीलापन को रेखांकित करता है।

सर्वेक्षण की एक और सराहनीय विशेषता संरचनात्मक परिवर्तनों पर जोर है। सेवा क्षेत्र की वृद्धि, विनिर्माण पुनरुत्थान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल समावेशन और गरीबी में कमी को उजागर किया गया है। बेरोजगारी 4.9 प्रतिशत तक गिर गई है, श्रम बल भागीदारी बढ़ रही है, और औपचारिक रोजगार विस्तारित हो रहा है। विश्व बैंक के मानकों पर चरम गरीबी 5.3 प्रतिशत और निम्न-मध्यम आय गरीबी 23.9 प्रतिशत है, जो आय वितरण में सुधार दर्शाता है। कर सुधारों जैसे कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, व्यक्तिगत आयकर राहत और जीएसटी ओवरहॉल के परिणाम दिख रहे हैं। सर्वेक्षण जीएसटी ई-वे बिल सिस्टम के पुनरावलोकन की सिफारिश करता है, जो कर अनुपालन को मजबूत करेगा। इसके अलावा, यह निजी क्षेत्र को रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं के साथ जुड़ा है।

हालांकि, सर्वेक्षण की आलोचना भी उतनी ही जरूरी है। सबसे पहले, यह दस्तावेज़ अत्यधिक जटिल और विश्लेषणात्मक रूप से कमजोर लगता है। नाममात्र जीडीपी विकास 2026 के लिए मात्र 8 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि वास्तविक विकास 7.4 प्रतिशत है, जो केवल 0.6 प्रतिशत का अंतर दर्शाता है। लेकिन रुपए का 6.5 प्रतिशत अवमूल्यन डॉलर जीडीपी विकास को मात्र 1.5 प्रतिशत तक सीमित कर देता है, जिसकी व्याख्या सर्वेक्षण में नहीं है। वैश्विक अनिश्चितताओं का उल्लेख तो है, लेकिन ठोस समाधान कम हैं। सर्वेक्षण सावधानी, न कि निराशावाद की बात करता है, लेकिन यह पैराडॉक्स ऑफ 2025 को स्वीकार करता है, जहां भारत की मजबूत प्रदर्शन वैश्विक प्रणाली से टकरा रही है, जो मुद्रा स्थिरता या पूंजी प्रवाह नहीं दे रही।

रोजगार और विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियां सर्वेक्षण में उजागर तो हैं, लेकिन पर्याप्त गहराई से नहीं। 2024-25 बजट में घोषित तीन रोजगार-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाएं (ईएलआई) और 1 करोड़ इंटर्नशिप योजना विफल रही हैं। इंटर्नशिप में मात्र 10,000 युवा शामिल हुए, जबकि ईएलआई संदिग्ध नौकरियां पैदा कर रही हैं।

विनिर्माण जीडीपी मेक इन इंडिया और पीएलआई के बावजूद 12-13 प्रतिशत पर ठहरा हुआ है। सर्वेक्षण निजी क्षेत्र की जोखिम-निवृत्ति और तकनीकी लाइसेंसिंग पर निर्भरता की आलोचना करता है, जो आर एंड डी में बाजार विफलता दर्शाता है। 12 लाख रुपये तक की आय को कर-मुक्त करने और ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती से राजकोषीय प्रदर्शन पर दबाव है। सर्वेक्षण एक्सचेंज रेट जोखिमों और नकारात्मक पूंजी प्रवाह की चेतावनी देता है, लेकिन विनिर्माण को गति देने के लिए कोई नई रणनीति नहीं सुझाता।

सर्वेक्षण की एक और कमी वैश्विक संदर्भ में भारत की रणनीतिक स्थिति पर है। यह स्ट्रैटेजिक रेजिलिएंस और स्ट्रैटेजिक इंडिस्पेंसेबिलिटी की बात करता है, लेकिन वैश्विक व्यापार की गैर-पारस्परिकता और बाजारों की तटस्थता की कमी को स्वीकार करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वेक्षण भारत की विकास क्षमता को बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर देता है, लेकिन यह पूंजी संचय, श्रम इनपुट और कुल कारक उत्पादकता पर आधारित है। हालांकि, राज्य वित्त की असमानता, वैश्विक अनिश्चितताएं और मुद्रा दबाव चुनौतियां हैं, जिन्हें नीति और निजी क्षेत्र भागीदारी से निपटना होगा। सर्वेक्षण महिलाओं के उद्यिमता, कर सुधारों और बैंकिंग मजबूती पर जोर देता है, लेकिन क्रियान्वयन की चुनौती को कम करके आंकता है।

कुल मिलाकर, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारत की विकास यात्रा का एक सकारात्मक लेकिन यथार्थवादी चित्रण है। यह रिफॉर्म एक्सप्रेस की बात करता है, जहां दशक भर के सुधारों ने 7 प्रतिशत विकास को संरचनात्मक आधार बनाया है। लेकिन आलोचना यह है कि यह अर्थव्यवस्था की कमजोरियों का गहन निदान नहीं करता, जैसे रोजगार योजनाओं की विफलता या विनिर्माण की स्थिरता। सरकार को सर्वेक्षण की सिफारिशों पर तेज क्रियान्वयन की जरूरत है, जैसे जीएसटी सरलीकरण, निजी आरएंडडी प्रोत्साहन और व्यापार नीति पुनर्कलन। वैश्विक विखंडन में भारत की सिस्टेमेटिक इंडिस्पेंसेबिलिटी हासिल करने के लिए, केवल विकास आंकड़ों से आगे बढ़कर जोखिम प्रबंधन और नवाचार पर फोकस जरूरी है। यदि ये कमियां दूर की गईं, तो विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है; अन्यथा, वैश्विक दबावों में यह एक खोया अवसर साबित होगा।

– डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है।)

समय से आगे बढ़ता महात्मा गांधी : एक वैश्विक संत की निरंतर उभरती महानता

प्रो. (डॉ.) सुमन कुमार शर्मा

30 जनवरी का दिन भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन महात्मा गांधी की शहादत की स्मृति से जुड़ा है-एक ऐसे व्यक्तित्व की, जिनका जीवन और विचार समय के साथ और अधिक प्रासंगिक, प्रभावशाली और प्रेरणादायी होते जा रहे हैं। आज केवल भारत के राष्ट्रिपता नहीं हैं, बल्कि वे विश्व-मानवता के नैतिक पथप्रदर्शक और वैश्विक संत के रूप में प्रतिष्ठित हो चुके हैं।

गांधी जी की महानता किसी एक घटना, आंदोलन या राष्ट्र तक सीमित नहीं थी। सत्य और अहिंसा जैसे उनके सिद्धांत सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं। जैसे-जैसे दुनिया हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रही है, वैसे-वैसे गांधी के विचार और अधिक उजागर होकर सामने आ रहे हैं। आज वैश्विक मंचों पर, संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व के प्रमुख विश्वविद्यालयों तक, गांधी के विचारों पर विमर्श हो रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि उनकी महानता समय के साथ क्षीण नहीं हुई, बल्कि निरंतर बढ़ी है।

महात्मा गांधी का जीवन स्वयं एक जीवंत प्रयोगशाला था-जहाँ विचार और आचरण में कोई अंतर नहीं था। वे जो कहते थे, वही जीते थे। सादगी, आत्मसंयम, सत्यनिष्ठा और करुणा उनके जीवन के मूल तत्व थे। आज जब भौतिकता और उपभोगवाद समाज को दिशा दे रहे हैं, गांधी का सादा जीवन, उच्च विचार का संदेश और भी प्रासंगिक हो गया है। जलवायु परिवर्तन, संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और पर्यावरण संकट के दौर में गांधी का प्रकृति के साथ संतुलन का दृष्टिकोण विश्व के लिए मार्गदर्शक बन रहा है। गांधी जी ने यह सिद्ध किया कि शक्ति केवल हथियारों में नहीं, बल्कि नैतिक साहस में होती है। बिना हिंसा के, बिना घृणा के, उन्होंने एक विशाल साम्राज्य को झुकने पर विवश कर दिया। आज दुनिया के अनेक सामाजिक और नागरिक आंदोलन-चाहे वे नस्लभेद के विरुद्ध हों, मानवाधिकारों के लिए हों या शांति स्थापना के प्रयास-कहीं न कहीं गांधी से प्रेरणा लेते हैं। नेल्सन मंडेला से लेकर मार्टिन लूथर किंग जूनियर तक, अनेक वैश्विक नेताओं ने गांधी को अपना पथप्रदर्शक माना।

गांधी की महानता का एक और पक्ष उनका मानवीय दृष्टिकोण है। वे अंतिम व्यक्ति की चिंता करते थे-अंत्योदय का सिद्धांत। आज जब विकास की परिभाषा पर प्रश्नचिह्न लगे हुए हैं, गांधी का यह विचार कि समाज की प्रगति का मूल्यांकन सबसे कमजोर व्यक्ति की स्थिति से होना चाहिए, विश्व के लिए एक नैतिक कसौटी बन गया है। असमानता, गरीबी और सामाजिक बहिष्कार के विरुद्ध संघर्ष में गांधी की सोच आज भी उतनी ही प्रखर है।

30 जनवरी को गांधी को स्मरण करना केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं है, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लेना है। उनकी शहादत हमें यह सिखाती है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन वही स्थायी और सार्थक होता है। समय बीतने के साथ गांधी एक ऐतिहासिक व्यक्ति से बढ़कर एक नैतिक चेतना बन चुके हैं-ऐसी चेतना जो सीमाओं, राष्ट्रों और संस्कृतियों से परे है।

निस्संदेह, महात्मा गांधी की महानता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। वे आज भी दुनिया को यह संदेश दे रहे हैं कि हिंसा के अंधकार में अहिंसा का दीपक ही मानवता को सही दिशा दे सकता है। यही कारण है कि गांधी आज भी जीवित हैं-अपने विचारों में, अपने आदर्शों में और विश्व की अंतरात्मा में, एक सच्चे वैश्विक संत के रूप में।

–प्रो. (डॉ.) सुमन कुमार शर्मा, आचार्य, राजनीति विज्ञान उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार।

राशिफल शनिवार 31 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पुर्नवसु नक्षत्र रात्रि 1:34 तक, विष्कुम्भ योग दिन 1:33 तक, तैतिल करण प्रात: 8:26 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:01 से कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 1:34 तक है। आज शुक्र उदय पश्चिम में रात्रि 3:15 पर होगा। आज विश्वकर्मा जयन्ती, गुरू गोरखनाथ जयन्ती है। आज चतुरदशी तिथि का क्षय हुआ है। आज ललिता जयन्ती है, जिनेन्द्र रथ यात्रा (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:38 से 9:59 तक, चर 12:40 से 2:01 तक, लाभ-अमृत 2:01 से 4:43 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 6:03

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। घर-परिवार में चल रहा आपसी मतभेद दूर होगा।

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
परिवार में महत्वपूर्ण एवं आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

उदयपुर के बड़गांव में फिर दिखा लैपर्ड का मूवमेंट

उदयपुर, (निसं)। शहर में शुक्रवार तड़के उस वक्त दहशत का माहौल बन गया, जब बड़गांव क्षेत्र में लैपर्ड का मूवमेंट देखा गया। अचानक आबादी क्षेत्र में पहुंचे लैपर्ड ने एक घर के प्रवेश द्वार पर चढ़कर कुछ देर तक इलाके में अफरा-तफरी मचा दी और फिर कूदकर भाग गया। लैपर्ड का वीडियो भी सामने आया है। इस घटना के बाद कॉलोनीवासियों में डर का माहौल है, लोगों ने बच्चों को अकेले बाहर न निकलने की सख्त हिदायत दी है।

बड़गांव के प्रशासक संजय व्यास के अनुसार बड़गांव मुख्य मार्ग पर हल्दीघाटी हाउस के पास श्री कॉम्पलेक्स कॉलोनी में आज सुबह लैपर्ड देखा गया और एक घर के सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गया। व्यास ने बताया कि कॉलोनी में रहने वाले मदनलाल व्यास के घर के वहां

■ आबादी क्षेत्र में पहुंचे लैपर्ड ने एक घर के प्रवेश द्वार पर चढ़कर अफरा-तफरी मचा दी

लैपर्ड था और उसके बाद गली में से आगे निकला। व्यास परिवार के सदस्य दीपक व्यास बताते हैं कि सुबह करीब सवा छह बजे हमारे घर के सामने रहने वाली आंटी ने बताया कि कुछ समय पहले गली से लैपर्ड निकलते उन्होंने देखा, आप कैमरे चेक कीजिए। दीपक बताते हैं कि इस पर उन्होंने अपने घर के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो सामने आया कि आज सुबह 5 बजकर 52 मिनट पर एक लैपर्ड घर के एंट्री प्वाइंट पर फाटक से जुड़ी दीवार पर चढ़ा और कुछ ही सेकेंड में कूद कर लैपर्ड आगे कृषि विज्ञान केंद्र की तरह चला गया। दीपक ने बताया कि गत वर्ष 16 जनवरी 2025 को इसी गली में लैपर्ड सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ था। उन्होंने बताया कि जैसे ही कॉलोनी में लैपर्ड की बात सामने आई तो वहां लोग घबरा गए। कॉलोनीवासियों की सूचना पर अधिकारियों को सूचना दी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 175 प्रभात अजमेर, शनिवार 31 जनवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'शंकराचार्य से माफी मांगो'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। उत्तर प्रदेश सरकार ने माघ मेला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह गंगा में शाही स्नान की अनुमति न दिए जाने को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से माफी मांगे, ताकि उनकी नाराजगी समाप्त हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि शंकराचार्य पूर्णिमा (1 फरवरी) तक प्रयागराज में रहेंगे और वे माफी मांग कर उन्हें मना सकेंगे। लेकिन हिंदू धर्मगुरु 28 जनवरी को वाराणसी लौटने का निर्णय कर चुके थे।

उनके वाराणसी लौटने के बाद, लखनऊ से दो वरिष्ठ अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की और आश्वासन

- उत्तर प्रदेश सरकार ने माघ मेला प्रशासन को आदेश दिया, जिन्होंने शाही स्नान के मसले पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान किया था।

दिया कि पूर्णिमा के दिन उन्हें सम्मानपूर्वक स्नान करने दिया जाएगा, लेकिन शंकराचार्य ने दो शर्तें रखीं।

पहली, जिम्मेदार अधिकारी लिखित रूप में माफी मांगें; और दूसरी, माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ में चारों शंकराचार्यों के स्नान के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित किया जाए।

शंकराचार्य ने अधिकारियों से कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार के करीबी साथी प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के अध्यक्ष बनेंगे?

सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार की होगी, एक बड़ा धड़ा उन्हें अध्यक्ष के रूप में देखना चाहता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुट एक बार फिर एकजुट होने जा रहे हैं और स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, फरवरी के दूसरे सप्ताह में इसका औपचारिक ऐलान होने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार के अलावा तीन अन्य प्रमुख नेता हैं, जो विलय के बाद एनसीपी का नेतृत्व कर सकते हैं-अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल।

दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, अजित पवार, जिनका बुधवार को एक विमान हादसे में निधन हो गया, ने ही इस विलय का रास्ता तैयार किया था और दिसंबर व जनवरी में उन्होंने अपने चाचा शरद पवार के साथ कई बैठकें की थीं। ये दोनों नेता स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विलय की

- अजित पवार तथा शरद पवार गुट के नेताओं की अगले सप्ताह बैठक होने की संभावना है, जिसमें विलय को अंतिम रूप दिया जाएगा।
- हालांकि, अजित पवार की एनसीपी के कई नेता तुरंत विलय के पक्ष में नहीं हैं, उन्हें लगता है कि इसका इस्तेमाल राजनैतिक लाभ के लिए किया जा सकता है। लेकिन, शरद पवार तथा सुनेत्रा के समर्थक तुरंत विलय चाहते हैं।

औपचारिक घोषणा करने वाले थे।

सूत्रों ने बताया कि विलय को अंतिम रूप देने के लिए, दोनों गुटों के नेता अगले सप्ताह मीटिंग करने वाले हैं।

लेकिन, सूत्रों का यह भी कहना है कि एनसीपी (अजित पवार गुट) के कुछ नेता तत्काल विलय के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इसका इस्तेमाल "राजनीतिक लाभ" के लिए किया जा रहा है। वहीं, शरद पवार गुट और अजित पवार की पत्नी के समर्थक तत्काल विलय के पक्षधर हैं।

सूत्रों के अनुसार, विलय प्रक्रिया में सुनेत्रा पवार की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है।

सूत्रों ने बताया, एनसीपी के भीतर यह मांग जोर पकड़ रही है कि राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार को पार्टी अध्यक्ष और विधायक दल नेता नियुक्त किया जाए। लेकिन यदि तकनीकी सीमाओं या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमर अब्दुल्लाह ने उत्तराखंड के मु.मंत्री को फोन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। उत्तराखंड में एक कश्मीरी शॉल विक्रेता पर भीड़ द्वारा किए गए हमले के बाद, राजनीतिक दलों और नेताओं ने देश के अलग-अलग हिस्सों में कश्मीरियों पर बढ़ते हमलों को लेकर चिंता जताई है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीरी शॉल विक्रेता पर हुए हमले के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से फोन पर बात की।

उन्होंने जम्मू के वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की

- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने उत्तराखंड में कश्मीरी शॉल विक्रेता के साथ भीड़ द्वारा मारपीट किए जाने की घटना पर चिंता जताई।

अनुमति वापस लेने को लेकर नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की भी आलोचना की। एनएमसी ने यह फैसला न्यूनतम मानकों का पालन न होने के आधार पर लिया था।

यह विवाद तब बढ़ा, जब 50 सीटों में से 42 मुस्लिम और केवल सात हिंदू छात्रों के दाखिले का मामला सामने आया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े अपने आप विकास में परिवर्तित नहीं होते'

वर्ल्ड बैंक के ग्रुप प्रेसिडेंट अजय बंगा, जो आईआईएम अहमदाबाद के पोज़िशन होल्डर भी हैं, ने चेताया कि भारत की विशाल युवा शक्ति, अभिशाप में भी परिवर्तित हो सकती है, अगर.....

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष अजय बंगा ने चेतावनी दी है कि भारत के "विकसित भारत" बनने का रास्ता सिर्फ ऊँची ग्रोथ रेट से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगा कि देश अपने युवाओं को कितने प्रभावी ढंग से कौशलयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि यदि हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले लाखों युवाओं को रोजगार के लिए तैयार नहीं किया गया, तो भारत का जनसांख्यिकीय लाभ एक बड़ी चुनौती में बदल सकता है।

बंगा ने बताया कि भारत में हर साल लगभग 1.2 करोड़ नए युवा जुड़ते हैं जिन्हें रोजगार की तलाश होती है। बड़े पैमाने पर कौशल विकास और कार्यबल की तैयारी देश की सबसे तात्कालिक आर्थिक प्राथमिकताओं में से एक बन जाती है। उन्होंने कहा कि विकास के आँकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जब तक उनके साथ मानव पूंजी में निरंतर निवेश न हो, तब तक वे वास्तविक विकास में

- बंगा के अनुसार, प्रतिवर्ष एक करोड़ बीस लाख युवा रोजगार ढूंढने निकलते हैं भारत में, अगर ये युवा "हुनर" की दृष्टि से रोजगार पाने के लिए तैयार नहीं हैं तो संकट ही संकट है।
- अतः, युवाओं में "स्किल डवलपमैंट" (हुनर पैदा करना) असली चुनौती है, केवल इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े हासिल करना नहीं।
- बंगा के अनुसार, भारत का इकोनॉमिक ढांचा उन कई देशों से भिन्न है, जिनकी इकॉनमी, निर्यात आधारित है और भारत की इकॉनमी का आधार "डॉमैस्टिक कंज़म्पशन" (आतंरिक खपत) है तथा निर्यात भारत की इकॉनमी का मुख्य हिस्सा नहीं है।

नहीं बदलते।

बंगा ने कहा, "असल बात ग्रोथ प्रतिशत नहीं है। हमारी आबादी को कौशलयुक्त बनाना बेहद जरूरी है, अगर लोगों को सही तरीके से कौशल दिया जाए, तो वे किसी राज्य, शहर, गाँव, किसी अन्य कस्बे और यहाँ तक कि विदेशों में भी काम के अवसर पा सकते हैं।"

उन्होंने कहा, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की भूमिका दिनों दिन महत्वपूर्ण हो रही है। बंगा ने भारत-यूरोपीय यूनियन के फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफटीए)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वनस्थली विद्यापीठ
विश्व का सबसे बड़ा पूर्णतः सावासीय अद्वितीय महिला विश्वविद्यालय

जन्म शताब्दी वर्ष

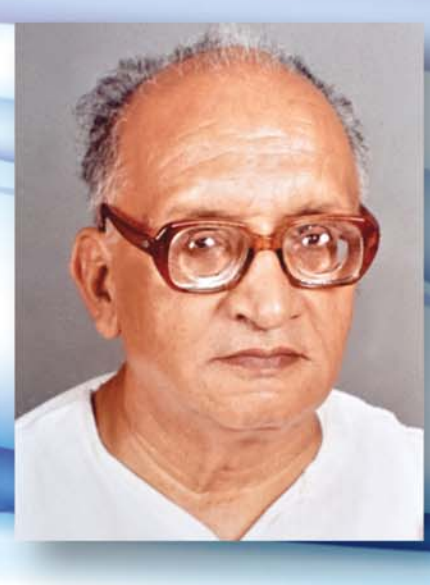

प्रो. सुशीला व्यास

वनस्थली विद्यापीठ की प्रथम छात्रा
वनस्थली विद्यापीठ ज्ञान विज्ञान महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य
वनस्थली विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) की संस्थापक सदस्य
वनस्थली विद्यापीठ की प्रथम निदेशक (कुलपति)
वनस्थली विद्यापीठ की पूर्व अध्यक्ष
भारतीय विश्वविद्यालय संघ की पूर्व अध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय सीनेट की पूर्व सदस्य

श्री सुधाकर शास्त्री

वनस्थली विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाने में अहम् भूमिका
वनस्थली विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) के संस्थापक सदस्य
वनस्थली विद्यापीठ के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वित्तीय सलाहकार
वनस्थली विद्यापीठ से संबंधित सभी सरकारी एवं सार्वजनिक कार्यों के पूर्व निर्वाहक
पूर्व प्रमुख दैनिक समाचार पत्र लोकवाणी के प्रधान सम्पादक
राजस्थान समाचार पत्र सम्पादक सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

आपके परिश्रम, त्याग एवं वनस्थली विद्यापीठ के प्रति जीवन पर्यन्त समर्पण को शत्-शत् नमन

इंवेस्टमेंट के नाम पर 27 लोगों से 1.80 करोड़ की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी पुलिस थाने में फ्रॉड का केस दर्ज हुआ है। कर्नाटक के 27 लोगों से एक करोड़ अस्सी लाख का फ्रॉड इंवेस्टमेंट के नाम पर किया गया। पीड़ित ने कोर्ट से इस्तगासे के आधार पर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

थानाधिकारी तेजकरण परिहार ने बताया कि कर्नाटक के बिजापुर निवासी सिद्धप्या की तरफ से रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जोधपुर में कुड़ी भगतासनी के लाजपत आर्य, उसके पुत्र अजय आर्य, दीपक आर्य, सौरभ चावला, सलोनी चावला, बलतीतसिंह एवं कर्मजीत सिंह आदि को नामजद किया गया है। पीड़ितों का आरोप है कि उन लोगों ने वर्ष 2022 मई में उक्त लोगों के पास में इंवेस्टमेंट के नाम रूपए निवेश किए थे। सभी लोगों से कुल मिलाकर एक करोड़ अस्सी लाख रूपए जुलाई 2023 तक लिए गए। बाद में उक्त लोग कंपनी बंद कर फरार हो गए।

प्रदेश में फिर सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, बारिश की संभावना जताई

पश्चिमी विक्षोभ का असर दो सप्ताह तक देखने को मिल सकता है

- आज अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में मेघ गर्जन, आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है
- 1 और 2 फरवरी को भी उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के अजमेर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग में मेघ गर्जन, आकाशीय बिजली के साथ मावठ की संभावना जताई

बीकानेर, (निसं)। शनिवार से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर अगले दो सप्ताह तक देखने को मिल सकता है। प्रदेशभर में विवाह समारोहों का सीजन चल रहा है। खासतौर पर बीकानेर में लोग बारिश को लेकर चिंतित हैं, लेकिन मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि बीकानेर में मौसम सामान्य रहेगा और बारिश जैसी कोई आशंका नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, बीकानेर में होने वाले पुष्करणा समाज के सामूहिक सावे के दिन भी मौसम शुष्क रहेगा, जिससे विवाह आयोजनों में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी। मौसम विभाग की ओर से जारी आगामी दो सप्ताह की भविष्यवाणी के अनुसार पूर्वी राजस्थान में बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में बारिश की उम्मीद बेहद कम है। हालांकि दूसरे सप्ताह में राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है, जिसमें बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्र भी शामिल हो सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ 31 जनवरी से 2 फरवरी के बीच सक्रिय होने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से 31 जनवरी को अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 1 और 2 फरवरी को भी उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के अजमेर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश और मावठ का दौर जारी रहने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि दूसरे सप्ताह के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी राजस्थान में इसका प्रभाव सीमित रहने की संभावना है। पहले सप्ताह के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। दूसरे सप्ताह में राज्य के उत्तरी भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है, जबकि शेष राज्य में तापमान सामान्य के आसपास रहने की उम्मीद है। पहले सप्ताह में राज्य के उत्तरी भागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री कम रहने की संभावना जताई गई है। वहीं शेष क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रह सकता है। दूसरे सप्ताह के दौरान पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है।

बीकानेर सहित पूरे प्रदेश में फरवरी के पहले दो से तीन सप्ताह में बड़ी संख्या में विवाह समारोह आयोजित होने हैं। इनमें 5 फरवरी, 7 फरवरी, 10 फरवरी और 19 फरवरी को बड़े सावे हैं। खास बात यह है कि 10 फरवरी को बीकानेर में पुष्करणा समाज का सामूहिक सावा है, जिसमें शहरभर में 200 से अधिक घरों में शादियां होंगी। ऐसे में मौसम विभाग की यह भविष्यवाणी लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर आई है।

अशोक गहलोत के करीबी खोडनिया की फर्मों पर सीजीएसटी की कार्रवाई जारी

कांग्रेस नेता दिनेश खोडनिया की फर्मो पर दूसरे दिन भी खुलती रही फाइलें

- उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाइवे पर स्थित डबोक क्षेत्र का केआरई अरिहंत कार्यालय जांच एजेंसियों की निगरानी में है
- दिनेश खोडनिया का ज्वैलरी और रियल एस्टेट का बड़ा कारोबार भी है जो सागवाडा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में फैला हुआ है

उदयपुर, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस नेता दिनेश खोडनिया की फर्मों पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (सीजीएसटी) की कार्रवाई शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाइवे पर स्थित डबोक क्षेत्र का केआरई अरिहंत कार्यालय गुरुवार दोपहर से ही जांच एजेंसियों की निगरानी में है।

सूत्रों के अनुसार सीजीएसटी की टीम ने मौके पर पहुंचकर न सिर्फ दस्तावेज खंगाले बल्कि फर्म से जुड़े कई लोगों से लंबी पूछताछ भी की। कागजों का पुलिंदा, डिजिटल रिकॉर्ड और कारोबारी लेन-देन सब कुछ एजेंसी की कसौटी पर कसा जा रहा है। कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यह सिलसिला दूसरे दिन भी थमा नहीं है। दिनेश खोडनिया डूंगरपुर जिले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य हैं। राजनीति के साथ साथ उनका ज्वैलरी और रियल एस्टेट का बडा कारोबार है जो सागवाडा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में फैला हुआ है। समूह के संचालन की कमान उनके बेटे आदिश खोडनिया के हाथों में है। खोडनिया परिवार का स्थानीय राजनीति में भी प्रभाव रहा है। उनके भाई नरेंद्र खोडनिया सागवाडा नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। ऐसे में जांच एजेंसियों की लगातार सक्रियता ने डूंगरपुर उदयपुर अंचल की राजनीतिक हलचल को भी तेज कर दिया है। सीजीएसटी की यह कार्रवाई ऐसे समय सामने आई है जब खोडनिया परिवार पहले से ही केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर रहा है। दिसंबर 2024 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डूंगरपुर जिले के सागवाडा स्थित उनके आवास और कार्यालयों पर छापेमारी की थी। उससे पहले अक्टूबर 2023 में भी ईडी ने उनके सागवाडा ऑफिस में तलाशी ली थी, तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। 2023 की ईडी कार्रवाई का तार कथित पेपर लीक प्रकरण और बाबूलाल कटारा प्रकरण से जुड़ा बताया गया था।

दुष्कर्म पीड़िता की मौत, आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने खाजूवाला के एक चक में 9वीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म और उसकी मौत के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पीड़िता के भाई की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी 16 साल की बहन 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। 22 जनवरी को वह स्कूल गई थी। इस दौरान कार में सवार दो युवक उसे जबरन ले गए और सुनसान जगह पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। बाद में उसे वन विभाग की भूमि पर छोड़कर फरार हो गए। अगले दिन पीड़िता ने आहत होकर अपने घर में जहरीला स्प्रे पी लिया। उसे एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान 27 जनवरी की शाम को उसने दम तोड़ दिया। मामले की जांच कर रहे सीओ खाजूवाला अमरजीत चावला ने बताया कि गांव के रहने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के दौरान काम में ली गई कार भी जब्त कर ली गई है। अभियुक्त को शुक्रवार को पॉक्सो कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। उससे दूसरे आरोपी के बारे में पूछताछ की जाएगी।

श्रीगंगानगर में ज्वैलरी शॉप से आठ लाख के चांदी के जेवर चोरी

- दरवाजे का कांच तोड़ चांदी के गहने ले गए चोर, वारदात सीसीटीवी में कैद

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर के घड़साना में ज्वैलरी शॉप से बाइक पर आए चोर 8 लाख की चांदी की अंगूठी-बिछिया चुरा ले गए। एक चोर दुकान के बाहर निगरानी करता रहा, जबकि दूसरे ने वारदात की। पीड़ित ज्वैलर ने कहा कि गहनों का वजन करीब 2 किलो था। चोर 10 मिनट में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना नई मंडी इलाके में शुक्रवार अलसुबह पौने तीन बजे के करीब हुई।

एएसआई भोलूराम ने बताया कि दो चोर बाइक से मेन मार्केट में बाबूलाल ज्वैलर्स की दुकान के बाहर पहुंचे। एक चोर ने दुकान का ताला तोड़ा और मेन गेट का कांच तोड़कर अंदर घुस गया। दूसरा साथी बाहर निगरानी करता रहा। दुकान से चांदी की अंगूठियां और बिछिया चुराकर चोर निकला और दोनों फरार हो गए। सुबह 3 बजकर 45 मिनट पर बाजार का चौकीदार वहां से निकला तो उसने दुकान मालिक रजत सोनी को घटना की सूचना दी। इस पर रजत सोनी मौके पर पहुंचे और दुकान का सामान बिखरा हुआ पाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को चोरी की जानकारी दी। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकान मालिक रजत सोनी पुत्र बाबूलाल ने बताया कि चोर उनकी दुकान से चांदी की अंगूठियों के तीन डिब्बे और बिछियों के दो डिब्बे चुरा ले गए। इन आभूषणों का कुल वजन लगभग दो किलो और अनुमानित कीमत आठ लाख रुपए है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलने पर राष्ट्रीय सर्व स्वर्णकार महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक सोनी और एएसआई भोलूराम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एएसआई ने बताया कि पुलिस टीम के द्वारा मौका मुआयना कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है।

सेंट्रल जेल में नशीली गोलियों के केस में तीन गिरफ्तार :- श्रीगंगानगर में शरीर के हिस्से में 276 नशीली गोलियां छिपाकर श्रीगंगानगर सेंट्रल जेल पहुंचने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। अब तीनों से नशीली गोलियों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

जांच अधिकारी हलवदार मुकेशचंद ने बताया कि जेल में 2 दिसंबर को एक बंदी के बैग से 276 नशीली गोलियां बरामद हुई थी। पुलिस ने 3 दिसंबर 2025 को ही जेल प्रशासन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद तीन आरोपियों बंदी मानक सिंह, अकबर खान और बबलू भाट को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। हलवदार मुकेशचंद ने बताया कि जेल अधीक्षक की रिपोर्ट पर 3 दिसंबर को सूचना मिली कि 2 दिसंबर को नई आमद विचाराधीन बंदी गुरजीत सिंह अपने शरीर में बड़ी मात्रा में नशीली गोलियां छिपाकर जेल पहुंचा था। शुरुआती तलाशी में उसके पास कुछ नहीं मिला था, लेकिन सख्त पूछताछ में गुरजीत सिंह ने कबूल लिया कि वह 250 से 300 गोलियां शरीर के एक पार्ट में छिपाकर लाया था। बाद में उसने बंदी अकबर खान को गोलियां दे दी।

युवक का अपहरण कर ले जा रहे लोगों की गाड़ी पलटी, दो की मौत

लव मैरिज से नाराज लड़की के रिश्तेदारों ने युवक का किडनैप कर लिया था

- हादसे में लड़की के रिश्तेदार सहित दो लोगों की मौत हो गई और एक युवक घायल हो गया, मामला राजगढ़ थाना क्षेत्र के नया गांव माचाडी का है
- घायल खेड़ली चन्दावत लक्ष्मणगढ़ निवासी विवेक गुर्जर ने तीन माह पहले लव मैरिज की थी

अलवर, (निसं)। अलवर में लव मैरिज से नाराज लड़की के रिश्तेदारों ने युवक का किडनैप कर लिया। युवक को बोलेरो में ले जाते समय गाड़ी पलटी खा गई। हादसे में लड़की के रिश्तेदार सहित दो लोगों की मौत हो गई और एक युवक घायल हो गया। मामला राजगढ़ थाना क्षेत्र के नया गांव माचाडी का है।

राजगढ़ थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि हादसे में मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के बिलन्दी श्याम गंगा निवासी रामफूल गुर्जर (50) और ड्राइवर मालाखेड़ा निवासी राजेंद्र प्रसाद चौधरी (50) की मौत हो गई। घायल खेड़ली चन्दावत लक्ष्मणगढ़ निवासी विवेक गुर्जर ने बताया कि मैंने तीन माह पहले लव मैरिज की थी। इसको लेकर लड़की पक्ष के लोगों को पुलिस से पाबंद भी करवाया था। शुक्रवार को बाइक पर बुटोली गांव की तरफ जा रहा था। बुटोली से आगे लड़की पक्ष के लोगों ने मेरी बाइक को बोलेरो से टक्कर मार दी। इससे गिर गया। वो लोग दो कार और चार बाइक पर आए थे। इसके बाद लड़की पक्ष के लोगों ने मुझे बोलेरो में पटक लिया। मेरे साथ मारपीट की। तेज रफ्तार बोलेरो नया गांव माचाडी के पास पलट गई। इससे मैं घायल हो गया।

वहीं, दूसरे पक्ष के भोलाराम ने बताया कि हमारे भाई की बेटी का अपहरण कर ले गया था। इसका मुकदमा भी दर्ज कराया था। उस बेटी का अता-पता नहीं है। विवेक सहित कई युवक कार और बाइक से आए, जो बोलेरो का पीछा कर रहे थे। इन्होंने बोलेरो से ओवरटेक किया। इसके कारण बोलेरो पलटी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी कर रहे हैं। बाकी रिपोर्ट मिलने के बाद जांच की जाएगी। मालाखेड़ा का राजेंद्र चौधरी बोलेरो का मालिक था, खुद ही ड्राइवर था। उसे बुकिंग कर बुलाया गया था।

बीकानेर में 1525 किलो घी सीज़

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत जयपुर से आए केंद्रीय दल तथा जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि टीम द्वारा देर शाम रानी बाजार में पंचमुखा हनुमान मंदिर रोड स्थित मैसर्स सुमन एंटरप्राईजेज पर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान फर्म के गोदाम पर अमूल्य ब्रांड घी के 3 तथा परम ब्रांड घी का 1 सहित 4 नमूने लिए जाकर शेष 1 हजार 525 किलोग्राम घी जांच रिपोर्ट आने तक सीज किया गया। इसके अलावा बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र से टीम ने मटर नमकीन के भी तीन नमूने लिये गये। लिये गये नमूनों को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई में केन्द्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा तथा अमित शर्मा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीकानेर कार्यालय से खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा एवं भानू प्रताप सिंह शामिल रहे।

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा/निर्माण/2026/10296-98 दिनांक : 28.01.2026

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 103/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 20.42 लाख रूपये से 38.74 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-
1. DLB2526WSOB32400, 2. DLB2526WSOB32403
राज.संवाद/सी/25/18783 आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0
EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन न.- 07461 284005
क्रमांक-नपाम/2025-26/1245 दिनांक- 28.01.2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिका महवा द्वारा विभिन्न 08 विकास कार्यो एवं 02 कार्यो की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2526WSRC31877), (DLB2526WSRC31878), (DLB2526WSRC31879), (DLB2526WSRC31880), (DLB2526WSRC31871), (DLB2526WSRC31882), (DLB2526WSRC31883), (DLB2526WSRC31884), (DLB2526WSRC32437), (DLB2526WSRC32438) है। निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/18757 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका महवा

कार्यालय नगर निगम, जोधपुर
पॉलीटेक्निक कॉलेज रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर ceo_nnj@rediffmail.com 02912651464
क्रमांकः- विकास /जॉन/प्रथम-द्वितीय/2025-26/1910 दिनांकः- 28.01.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या ::
(UB NO. DLB2526WSOB32483)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcj देखी जा सकती है।
प्रशासक नगर निगम, जोधपुर आयुक्त नगर निगम, जोधपुर
राज.संवाद/सी/25/18858

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 826 दिनांक :- 29/01/2026

निविदा सूचना संख्या - 09/2025-26

मानसरोवर जयपुर में स्थित सिटी पार्क में 2 वर्ष के लिए बागवानी एवं विद्युत कार्यों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य के लिए इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 03.02.2026 से 12.02.2026 सायं 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का अन्य विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00338
राज.संवाद/सी/25/18867 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DISTT DN KOTA
क्रमांक-1675 **Notice Inviting Bid (NIT No. 31/2025-26)** दिनांक-21/01/2026

Bids for 8 no work at Kota are Invitied from interested bidders upto 06.00 PM of 03.02.2026 (Tuesday). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajathan State. The approximate value of the procurement is Rs. 274.23 Lacs.

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB21527	5	PWD2526WSOB21531
2	PWD2526WSOB21528	6	PWD2526WSOB21532
3	PWD2526WSOB21529	7	PWD2526WSOB21533
4	PWD2526WSOB21530	8	PWD2526WSOB21534

(अशोक कुमार महावर) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि.जिला खण्ड कोटा, मो.नं.- 9829128359
DIPR/C/1582/2026

कार्यालय जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग धौलपुर
क्रमांक-सान्याअवि/2025/3219 दिनांक-23.01.2026

Notice Inviting Bid 01/2025-26

E- Bid for cook and security guard for various government hostels operating under social justice and empowerment department dholpur are inviting from interested bidder upto 24/01/2026 10:00AM to 03/02/2026 05:00PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproce.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.gov.in) of the state; and social justice and empowerment department website. The approximate value of the procurement is RS. 38 Lakhs.
UBN no. SOC2526SLOB00339
NIB no. SOC2526A0308
जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग धौलपुर
DIPR/C/1685/2026

Rajasthan Financial Services Delivery Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking), Registered Office : 3rd Floor, B-Block, Vitta Bhawan, Jaipur-302005 (Raj.) e-mail Id: rfsdl@rajasthan.gov.in
No. :- F. 5 (147) RFSDL/ Earn Salary & Pension/2026 Jaipur, Dated :- 28/01/2026

Expression of Interest

Proposals for Expression of Interest regarding empanelment of Service of Provider(s) / Financial Institution(s) / Bank(s) / Non-banking Financial Company(s) with Transaction Charges / Rate of Interest (8% to 20% p.a.) in accordance with credit score to provide facility of "Earned Salary / Pension Advance Drawls Access Scheme" (one month) and "Advance for 3 and up to 24 Months Salary / Pension Scheme" for employees/pensioners of Govt. of Rajasthan/ Undertakings are invited up to 11:00 A.M. on dated 23.03.2026. For details may be visited on https://sppp.rajasthan.gov.in.
Contact Person: M.H. Ansari (DGM), Mobile No. 9461119111
UBN No. : FGT2526SSOB00021
Raj.Samwad/C/25/18808 Executive Director (Adm.)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम), पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स:0141-2208098, ईमेल :- semm1@jvvnl.org

अल्पकालीन निविदा सूचना

एल टी एक्स एल पी ई इंसुलेटेड एरियल बन्च्ड केबल विद बेयर मेसेन्जर वायर (3Cx25+25 Sq.mm, 3Cx50+35 Sq.mm) (निविदा संख्या-5070) (UBN-VVN2526GLOB00874), की खरीद हेतु 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/25/18800 जेपीआर - 3116 (2026) अधीक्षण अभियन्ता (एम. एम. प्रथम)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

BIKANER TECHNICAL UNIVERSITY, BIKANER
Karni Industrial Area, Pugal Road, Bikaner-334004
Ref. No.: 416 Date: 30.01.2026

Notice Inviting Bid

Bikaner Technical University invites following bids:

S.No.	Particulars	Estimated Cost	NIB No.	UBN No.	Last Date & Time
1.	Supply and Installation of Computers and Printers	Rs.11.50 Lacs	BTU2526A0016	BTU2526GLOB00017	03.02.2026 up to 5.00 pm
2.	Food arrangement on 27 February 2026 for the Convocation function of BTU	Rs.450000/-	BTU2526A0018	BTU2526SSOB00019	07.02.2026 up to 5.00 pm
3.	Tent and other essential arrangements on 27th February 2026 for the Convocation function of BTU	Rs. 615000/-	BTU2526A0019	BTU2526SSOB00020	07.02.2026 up to 5.00 pm
4.	Convocation Folder Printing and supply	Rs.367500/-	BTU2526A0017	BTU2526SSRC00018	07.02.2026 up to 5.00 pm

Others particulars of the bids can be find on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in and Bikaner Technical University website www.btu.ac.in.
Raj.Samwad/C/25/18824 (Finance Comptroller)

कार्यालय नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर (राज.)
Ph. 01422-272066 Email- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांक :-न0प0शा0/2025-26/1006 दिनांक :- 28.01.2026

निविदा सुचना वर्ष 2025-26

नगर परिषद शाहपुरा जयपुर द्वारा निम्नानुसार कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है विस्तुत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर कार्यालय समय सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB CODE	SPPP UBN
DLB2526B0905	DLB2526WSOB32362, 32363

राज.संवाद/सी/25/18786 आयुक्त नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन, छबड़ा (राज.)

ऑनलाइन/ऑफलाइन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य/वार्षिक अनुबन्ध/सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैः- 57(RVU2526SLOB02111) फील्ड हॉस्टल हेतु कैटरिंग सेवाएं और रखरखाव, 63(RVU2526WSOB02114) मैकेनिकल सील की मरम्मत/सुधार, 64(RVU2526WSOB02116) सेनेटरी कार्यो के सुधार एवं रखरखाव, 649 (RVU2526GLOB02120) सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना, 652(RVU2526GLOB02118) रेक्सरोथ निर्मित स्पेयर्स, 657(RVU2526GLOB02112) नेचुरल ड्राफ्ट कूलिंग टावर (एनडीसीटी) हेतु स्पेयर्स, 651(RVU2526GSOB02115) रेफ्रिजरेंट एवं 659(RVU2526GSOB02119) डेटा लॉगर की कमीशनिंग और आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/18799 RVUN/PR-4332 अति. मुख्य अभियन्ता (ओ. एण्ड एम.)

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD TAPUKARA (KHAIRTHAL - TIJARA)
E-mail ID-tapukaranagarpalika@gmail.com

-:Tender Notice 28/2025-26:-

Municipal Board Tapukara (Khairthal-Tijara) hereby invites sealed tender for the following works in the municipal area on the following date. Therefore, interested contractors can obtain the tender by depositing the fixed tender fee and security amount from Date 29.01.2026 on the fixed tender date and can submit their tender rates by the date 09.02.2026 Which will be opened on 09.02.2026 front of the present tenderers. Other information/conditions can be seen during office hours. Tenders are also available on the website http://www.sppp.rajasthan.gov.in.

Sr. No.	low number of tenders	Date and time of sale of online tender	Date and time of depositing online the tender fee and security amount	Opening date of online tender
1	01	29.01.2026	09.02.2026	09.02.2026

NIB No:- DLB2526B0941
UBN No:- DLB2526GSOB32481
The work-wise security deposit, work duration, estimated cost, complete details of tender fee, terms and conditions of the said tender can be viewed and downloaded from www.sppp.rajasthan.gov.in. Also, they can be viewed/obtained from the notice board/construction branch of the office during working days. The conditions of the RTPP Act will be valid and deductions will be made as per rules. Other conditions can be seen during office hours.
Raj.Samwad/C/25/18815 Exective Officer Municipality Tapukara

कार्यालय नगरपालिका कपासन जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)
क्रमांक/न.पाक./स्टोर/2025-26/4915 दिनांक :- 28.01.2026

-:: ई-निविदा सूचना ::-

नगर पालिका कपासन द्वारा निम्नलिखित कार्य में कार्यरत एवं ठेकेदारों से मोहर बन्द निविदाऐं निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्त एवं निविदा प्रपत्र eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेंगे। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB CODE : DLB2526B0931 पर देखें तथा निविदा का विवरण निम्नानुसार रहेगा :-

निविदा के कुल कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	30.00 लाख रूपये
निविदा पब्लिश की दिनांक व समय	दिनांक : 02.02.2026 समय : प्रातः 10.00 बजे
निविदा डाउनलोड की दिनांक व समय	दिनांक : 02.02.2026 समय : प्रातः 10.00 बजे से
निविदा डाउनलोड की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक : 16.02.2026 समय : सांय 5.00 बजे तक
डी.डी. एवं भौतिक दस्तावेज पालिका कार्यालय में जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक : 17.02.2026 समय : प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक : 17.02.2026 समय : दोपहर 2.00 बजे
Unique Bid Number	DLB2526SLRC32453

राज.संवाद/सी/25/18832 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2025-26/1050 दिनांकः- 28.01.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या 55/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 48.35 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 29.01.26 से 08.02.26 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 09.02.26 को 11:30AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :- ANN2526A0211

S.No.	UBN No.
1	ANN2526WSOB00272
2	ANN2526WSOB00273

राज.संवाद/सी/25/18864 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉरपोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483
पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, फोन न. : 0291-2742264
ईमेल :- seciviljdvvnl@gmail.com, वेबसाईट :- http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

ई-निविदा सख्या 22/2025-26

केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा जो.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी, वस्तु एवं सेवाकर (GST) विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर 9413359193/बाड़मेर; 9413359455/बीकानेर; 9413359744 के अधीन विभिन्न सिविल निर्माण कार्यो के लिए ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, प्रकिया शुल्क, अमानत राशि, निविदा खोलने की तिथि व सामान्य अनुबन्ध की शर्ते आदि समस्त विवरण, वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। भविष्य में संशोधन/अवधि विस्तार, यदि कोई हो तो, उसकी सूचना http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रकाशित की जावेगी।
JVV2526WSOB00821, JVV2526WSOB00822, JVV2526WSOB00843, JVV2526WSOB00841, JVV2526WSOB00847, JVV2526WSOB00848, JVV2526WSOB00849, JVV2526WSOB00836, JVV2526WSOB00837, JVV2526WSOB00846, JVV2526WSOB00828, JVV2526WSOB00829, JVV2526WSOB00830, JVV2526WSOB00831, JVV2526WSOB00832, JVV2526WSOB00824, JVV2526WSOB00823, JVV2526WSOB00826, JVV2526WSOB00828, JVV2526WSOB00833, JVV2526WSOB00834, JVV2526WSOB00845, JVV2526WSOB00840, JVV2526WSOB00825
राज.संवाद/सी/25/18803 अधीक्षण अभियंता (सिविल)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक/जविप्रा/अधि.अभि.एवं त.स.नि.अ.-I/2025-26/ दिनांक : 30.01.2026

बिड आमंत्रण सूचना

बिड संख्या - अ.अ.एवं त.स.नि.अ.-I/43/2025-26

जविप्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	यूबीएन नं.	कार्य राशि (लाखों में)	कार्य की प्रकृति	अंतिम तिथि
1	JDA2526WSOB00594	14.56	भवन	05.02.2026
2	JDA2526WSOB00598	9.23	पेन्टिंग का कार्य	09.02.2026

निविदा का विस्तृत विवरण उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जविप्रा की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/18866 अधि. अभि. एवं तक.सहा.निदे.अभि.-प्रथम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संपर्क हैल्पलाइन पर सुनी लोगों की समस्याएं

राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 का औचक निरीक्षण कर परिवादियों से किया सीधा संवाद

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने हैल्पलाइन के माध्यम से आमजन से सीधा संवाद किया। शर्मा ने उनसे आत्मीयता से बात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आमजन से राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लिया।

शर्मा से कोटपूतली-बहरोड़ के मोहम्मदपुर नंगलिया खोहरी निवासी पिंकी यादव ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए निवेदन किया। इसी तरह डूंगरपुर के बोडीगामा छोटा गांव से जितेन्द्र ने जाति प्रमाण पत्र तथा मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

वहीं प्रतापनगर, जयपुर की निवासी लाजवंती ने मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनकी समस्याओं का समाधान कर राहत देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को रतनगढ़ चूरू के भोजासर से किशनलाल ने मकान का पट्टा जारी नहीं होने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित होने की जानकारी दी। किशनलाल ने शर्मा से शीघ्र पट्टा जारी करवाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनके मकान का पट्टा जारी करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 पर लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी।

- मुख्यमंत्री ने लोगों से बातचीत करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लिया
- संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : भजनलाल शर्मा

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण की प्रणाली तथा फॉलो-अप प्रक्रिया की पूरी जानकारी ली। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो, जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी दिशा में 181 हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

2 रिटायर्ड आरएएस के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति को मंजूरी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 19 के तहत राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 2 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध न्यायिक प्रकरणों में पक्षकारों के साथ कूट-रचना करने तथा नियम विरूद्ध कार्यवाही करने के आरोपों में अभियोजन स्वीकृति जारी की है। शर्मा ने राजस्थान गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के 1 अधिकारी द्वारा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में भ्रष्ट एवं अवैध तरीकों को अपनाने के विरूद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है। इसी प्रकार सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध संचालित वृहत्त शास्ति के अनुशासनात्मक कार्यवाही के 2 प्रकरणों में वेतन वृद्धियां रोके जाने के दण्ड को अनुमोदित किया तथा एक सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने का भी आदेश दिया है।

अभिनव वर्मा बने कार्यपालक निदेशक

जयपुर। अभिनव वर्मा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. की राजस्थान परियोजना के कार्यपालक निदेशक (ईडी) का पदभार संभाला। विद्युत क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के अनुभव वाले अभिनव वर्मा को इंजीनियरिंग, निर्माण, परियोजना प्रबंधन, एसेट मैनेजमेंट तथा एचवीडीसी तकनीक में विशेष दक्षता प्राप्त है। आईटी लखनऊ से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पश्चात उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रोहतक से पीजीडीएम की डिग्री प्राप्त की है।

5 नवीन किसान पथ बनेंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर जिले की कृषि उपज मण्डी समिति, मेडता सिटी के अंतर्गत 5 नवीन सम्पर्क सड़कों (किसान पथ) के निर्माण के लिए 5 करोड़ 60 लाख रूपये से अधिक की राशि स्वीकृति की है।

इन संपर्क सडकों के निर्माण से ग्रामीणों व किसानों के आवागमन एवं कृषि जिन्सों को मण्डी तक लाने में सुविधा होगी।

एंबुलेंस ड्राईवर से की हाथापाई

जयपुर। बाइस गोदाम सर्किल पर एक ऑडी कार सवार एक अमीरजादे ने आगे निकलने की होड़ में सारे नियम कायदों को ताक में रखते हुए मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस के आगे खुद की कार लगा कर उसे रोक लिया और हाथापाई पर उतर आया। यही नहीं ऑडी कार सवार चालक ने एंबुलेंस की चाबी छीनने का प्रयास किया। एंबुलेंस रोक कर चालक से हाथापाई होती देख राहगीर मौके पर जमा हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो पक्षों से समझाईश कर मामले को शांत कराया।

राजस्थान में जर्जर सरकारी स्कूल भवनों के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के चलते सदन का माहौल गर्माया, हालात बिगड़ते देखकर विधानसभा अध्यक्ष को हस्तक्षेप करना पड़ा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा की 16वीं विधानसभा के पांचवें सत्र में शुक्रवार को जर्जर सरकारी स्कूल भवनों के मुद्दे पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के चलते सदन का माहौल गरमा गया। हालात बिगड़ते देख विधानसभा अध्यक्ष को हस्तक्षेप करना पड़ा। जर्जर स्कूल भवनों को लेकर नेता प्रतिपक्ष के सवालों पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने जर्जर स्कूल भवनों के सर्वे को लेकर कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्कूल भवनों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनकी मरम्मत एवं पुनर्निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस दौरान विधायक संदीप शर्मा ने सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में विद्यालय भवन समय से पहले ही जर्जर हो चुके हैं। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार ऐसे भवनों को जमींदोज करने का विचार रखती है और जिन भवनों का निर्माण तय समय से पहले खराब हुआ है, उन मामलों में संबंधित संवेदकों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि "पिछली कांग्रेस सरकार ने जर्जर स्कूल भवनों के सर्वे को लेकर कोई ठोस काम नहीं किया। वर्तमान सरकार ने ऐसे स्कूल भवनों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनकी मरम्मत एवं पुनर्निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

नीरजा मोदी स्कूल के कक्षा 9 और 11 के विद्यार्थी दूसरे स्कूल में शिफ्ट नहीं होंगे

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीरजा मोदी स्कूल की कक्षा चार की छात्रा के आत्महत्या करने के बाद सीबीएसई की ओर से स्कूल की संबद्धता वापस लेने के मुद्दे पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने स्कूल प्रबंधन को कहा है कि वह सीबीएसई संबद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत एक सप्ताह में अपना अभ्यावेदन पेश करे। वहीं सीबीएसई तीन सप्ताह में अभ्यावेदन का निस्तारण करे। तब तक अदालत ने कक्षा 9 और कक्षा 11 के विद्यार्थियों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट नहीं करने को कहा है। जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश नीरजा मोदी स्कूल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान सीबीएसई के अधिवक्ता एमएस राघव ने जवाब पेश कर कहा कि सीबीएसई के सम्बद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत प्रावधान है कि स्कूल को दंडादेश के खिलाफ अभ्यावेदन पेश करना होता है, जबकि याचिकाकर्ता ने इसके बिना सीधे ही याचिका पेश कर दी।

- हालांकि राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीएसई द्वारा स्कूल की सम्बद्धता वापस लेने के मुद्दे पर नीरजा मोदी को राहत नहीं दी है
- परंतु अदालत ने स्कूल प्रबंधन को कहा है कि वह सीबीएसई संबद्धता उप-नियम के नियम 13.10 के तहत एक सप्ताह में अभ्यावेदन पेश करे।

सिग्नल-फ्री सिटी के रूप में जयपुर के विकास पर जोर

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजधानी जयपुर को सिग्नल-फ्री सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस एवं व्यवहारिक प्रस्तावों पर गंभीरता से कार्य करे। आधुनिक शहरी परिवहन प्रणाली तथा सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन से न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने यह निर्देश शुक्रवा रको राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए।

एलआईसी का टेबल टेनिस टूर्नामेंट शुरू

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) सलील विश्वनाथ ने 28 जनवरी को लखनऊ स्थित के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025-26 का उद्घाटन किया। समारोह में लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडलीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई की सचिव (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) एस. गायत्री तथा उत्तर मध्य क्षेत्र, कानपुर के प्रादेशिक प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) अजय कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

ग्राम उत्थान शिविरों से ग्रामीण विकास को नई गति : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्री निवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार एवं जिलेवार शिविरों के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण परिवारों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधे जोड़ा जा रहा है। शिविरों के प्रथम चरण के तीन दिनों में प्रदेश के 941 गिरदावर सर्किलों में शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 6 लाख 59 हजार 208 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित 13 प्रमुख विभागों की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। शेष ग्राम उत्थान शिविर 31 जनवरी, 1 फरवरी तथा 5 से 9 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से प्रदेश के 2,839 गिरदावर सर्किलों को कवर किया जाएगा।

कृषि विभाग द्वारा 2.26 लाख किसानों को फसल बीमा एवं 2.33 लाख ग्रामीणों को एमएसपी की जानकारी दी गई। साथ ही 1.80 लाख से अधिक बीज मिनीकिट वितरण का सत्यापन किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 2.60 लाख पशुओं का उपचार, 47 हजार पशुओं का मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में पंजीकरण तथा 20 हजार से अधिक टीकाकरण किए गए।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 19,025 पात्र परिवारों के आवेदन भरवाए गए। सहकारिता विभाग द्वारा 15 हजार नए किसान क्रेडिट कार्ड, 25 हजार सदस्यता आवेदन स्वीकृत तथा 4,100 से अधिक बैंक खाते खोले गए। पंचायती राज विभाग ने 32 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए।

शिविरों में आगामी वर्ष की गतिविधियों के आवेदन पत्र तैयार करवाए जा रहे हैं, इस वर्ष के अनुदान आवेदनों की वर्तमान स्थिति तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही जटिल प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार सभी आवेदनों का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कर योजनाओं का वास्तविक लाभ ग्रामीण नागरिकों तक पहुँचाया जा रहा है।

मुख्य सचिव वी. श्री निवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रदेशभर में आयोजित हो रहे ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक हुई।

- 941 शिविरों में 6.59 लाख से अधिक ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि

शहीद दिवस पर शुक्रवार प्रात: 11 बजे राजस्थान विधानसभा के सदन में देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व सभी सदस्यों को राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखने के लिये कहा। सदन में उपस्थित सभी सदस्यगण ने शहीदों के बलिदान को नमन किया। शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और देश सेवा के उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस विधायक बुडानिया ने प्रदेश में लड़कियों द्वारा घर छोड़ने का मुद्दा उठाया

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने जहां प्रदेश की सामाजिक स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने सदन में कहा कि प्रदेश में ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जो पूरे समाज को शर्मसार करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के घर से भागने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे माता-पिता रातों की नींद खो चुके हैं।

बुडानिया ने दावा किया कि हजारों लडकियां प्रेमियों के साथ घर छोड़ रही है और हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि चार-चार बच्चों की मां भी घर से भाग रही हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में जब पुलिस लड़कियों को ढूंढकर वापस घर लाती है, तो वे अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। एक बेटी अगर अपने मां-बाप से कह दे कि मैं तुम्हें नहीं पहचानती, तो इससे बडी पीड़ा और क्या हो सकती है, बुडानिया ने भावुक होते हुए कहा। उन्होंने एक मार्मिक उदाहरण देते हुए बताया कि एक मामले में बेटी के वापस आने के बाद पिता इतना टूट गया कि उसने आत्महत्या कर ली।

बुडानिया ने कहा कि यह केवल कानून या सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का विषय नहीं है, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि लडकियों के घर छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए गंभीरता से विचार किया जाए और कोई ठोस रास्ता निकाला जाए। इसी बहस के दौरान बुडानिया ने सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हारे हुए बीजेपी उम्मीदवारों से सरकारी योजनाओं का उद्घाटन करवाया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने तारानगर क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2023 में उनके इलाके में अस्पताल का शिलान्यास हो चुका था, लेकिन उद्घाटन के समय न तो स्थानीय विधायक को बुलाया गया और न ही स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे।

बुडानिया ने कहा कि अस्पताल का उद्घाटन पानी के मंत्री द्वारा किया गया, जबकि शिलान्यास पट्टिका पर स्थानीय विधायक का नाम न होकर हारे हुए विधायक उम्मीदवार का नाम दर्ज था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हारे हुए उम्मीदवार कैंची लेकर उद्घाटन करते घूम रहे हैं और चुने हुए विधायक विधानसभा में अपनी बात रख रहे हैं। यह विधायकों की गरिमा के खिलाफ है। वहीं, बीजेपी विधायक जसवंत यादव ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब वोट कटने के नाम पर बेवजह हल्ला मचा रही है। यादव ने कहा, आपका-हमारा वोट कटे तो हम मान सकते हैं, लेकिन जब बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के नाम वोटर लिस्ट से हटते हैं, तो कांग्रेस को इतनी तकलीफ क्यों हो रही है? यादव ने दावा किया कि एसआईआर में मुसलमानों से ज्यादा हिंदुओं के वोट कटे हैं और कांग्रेस को मुसलमानों के नाम पर हौव्वा खडा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश में पैदा हुआ व्यक्ति चाहे हिंदू हो या मुसलमान, उसका वोट नहीं कटना चाहिए।

- बुडानिया ने भावुक होते हुए कहा "कई मामलों में जब पुलिस लड़कियों को ढूंढकर वापस घर लाती है, तो वे अपने ही माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। एक बेटी अगर अपने मां-बाप से कह दे कि मैं तुम्हें नहीं पहचानती, तो इससे बड़ी पीड़ा और क्या हो सकती है?"

सार-समाचार

रोहिणी सिंह की आर्ट एग्जीबिशन

जयपुर। जयपुर आर्ट वीक में जयपुर की कलाकार रोहिणी सिंह की आर्ट एग्जीबिशन का आयोजन उनके निजी आर्ट स्टूडियो में किया जा रहा है। इस एग्जीबिशन में ट्रैवल, पहाड़ों, रोजमर्रा के जीवन के पलों से प्रेरित लगभग 50 पेंटिंग्स और पोस्टकार्ड्स को विभिन्न शैलियों में शोकेस किया गया है। यह पेन्टिंग्स कलाकार की वर्ष 2010 से लेकर अब तक की रचनात्मक यात्रा को दर्शाती है। कलाकार रोहिणी ने पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय कला उत्सव जयपुर आर्ट वीक 5.0 की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से कलाकारों को अपनी कला को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने, नेटवर्क बनाने और नई पहचान स्थापित करने के अवसर मिल रहे हैं। अपनी एग्जीबिशन पर बात करते हुए रोहिणी ने कहा कि, "मेरा आर्ट वर्क मेरे रोज़मर्रा के जीवन से प्रेरित है, जिसमें लाईफ, होप, मिस्ट्री, डेथ जैसी कई मानवीय भावनाएं जुडी हैं। अपनी यात्राओं और रोज़मर्रा के दौरान जो कुछ मैं देखती हूं, महसूस और अनुभव करती हूं, उन भावनाओं को मैं अपनी कला के माध्यम से व्यक्त करती हूं।"

आर्ट वीक में कला, संवाद और प्रयोग

जयपुर। जयपुर आर्ट वीक के चौथे दिन शहर में कला, संस्कृति और रचनात्मक प्रयोगों की जीवंत झलक देखने को मिली। सुबह से लेकर शाम तक आयोजित विविध कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और स्टूडियो विज़िट्स में कलाकारों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। दिन की शुरुआत यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में आयोजित 'द स्ट्रीट ऐज़ स्टूडियो' फोटोवॉक से हुई। गोलचा सिनेमा से प्रारंभ हुई इस अनोखी कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर जेरोम डे परलिंघी ने प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थलों पर पोर्ट्रेट फ़ोटोग्राफी की बारीकियों से परिचित कराया। श्वेत-श्याम फोटोग्राफी के माध्यम से शहरी जीवन, मानवीय भाव और सार्वजनिक संवाद को समझने का अवसर मिला। दिन के मध्य सत्रों में पिंक सिटी स्टूडियो में आयोजित 'मिनिएचर पेंटिंग: प्रैक्टिस, प्रोसेस एंड डायलॉग' ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। कलाकार रियाज़ उद्दीन और पास्कल उंगरर ने समकालीन मिनिएचर पेंटिंग की प्रक्रिया, विचार और तकनीकों पर संवाद किया।

'एच्ड इन सिल्वर' प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर। द पैलेस स्कूल में विद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी "एच्ड इन सिल्वर" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं विद्यालय की संस्थापिका, दीया कुमारी ने पूजा-अर्चना की तथा अपने कर-कमलों से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान दीया कुमारी ने विद्यालय के "कनेक्ट इंटरैक्ट क्लब" के विद्यार्थियों के साथ मिलकर सामुदायिक सेवा के अंतर्गत खिचड़ी तैयार करने तथा उसे जरूरतमंदों में वितरित करने में सहयोग किया, जिससे छात्रों को करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का संदेश मिला। कार्यक्रम के दौरान हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह एवं प्रिंसेस गौरवी कुमारी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. हर्ष मिश्रा को राष्ट्रीय अवार्ड मिला

जयपुर (कासं)। त्रेतायुग फाउंडेशन की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। जिसमें भारत के उन राष्ट्रीय गौरव का सम्मान हुआ, जिन्होंने हर क्षेत्र चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो,चिकित्सा क्षेत्र हो,समाज सेवा,प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र से हो,कला क्षेत्र से हो या किसी अन्य क्षेत्र से हो। इस समारोह में चिकित्सा क्षेत्र में वर्ष 2026 के लिए डॉ. हर्ष मिश्रा (आहार और पोषण विशेषज्ञ) को पोषण और डायटेटिक्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल प्राइड एंड एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से पुरस्कृत किया गया।

मृदुभाषी जनसंपर्क के चेहरे दयाशंकर शर्मा सेवानिवृत्त

जयपुर (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक दयाशंकर शर्मा 34 वर्ष की राजकीय सेवा के उपरांत शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इनके साथ ही विभाग के सहायक कर्मचारी मूलचंद मौर्या भी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा शर्मा एवं मौर्या को भावभीनी विदाई दी गई।

सचिवालय स्थित मुख्यालय में आयोजित समारोह में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने दयाशंकर शर्मा को सरल, सहज एवं मृदुभाषी जनसंपर्क का चेहरा बताते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में दोनों कार्मिकों के योगदान को प्रेरणादायी बताया। शर्मा ने अपने 34 वर्षों के राजकीय सेवा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य का निर्वहन समाज के प्रति समर्पित भाव से करना चाहिए। उन्होंने जनसम्पर्क परिवार द्वारा उन्हें सेवाकाल में दिए स्नेह, अनुभव के लिए आभार जताया। उल्लेखनीय है कि दयाशंकर शर्मा ने लंबे समय तक पुलिस आयुक्तालय सहित विभिन्न विभागों में जनसंपर्क सेवा के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं हैं। इस दौरान उनके सौम्य व्यवहार और कार्यशैली ने सभी के मन में एक अनूठी छाप छोड़ी। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र प्रचार) नर्मदा इंदौरिया, संयुक्त निदेशक (समाचार) मनमोहन हर्ष, सहायक निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने दयाशंकर शर्मा के योगदान की सराहना की।

अमित सुदर्शन ने संभाला उत्तर पश्चिम रेलवे का जनसंपर्क दायित्व

अजमेर/जयपुर(निसं)। अमित सुदर्शन ने उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण से पदभार संभाला।

अमित सुदर्शन भारतीय रेलवे यातायात सेवा के वर्ष 2015 बैच के अधिकारी हैं। इससे पूर्व वे उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के पद पर यात्री सेवाएं और यात्री विपणन का दायित्व निभा चुके हैं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता से प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। उन्हें रेलवे के वाणिज्य और परिचालन क्षेत्र में व्यापक अनुभव है।

अपने सेवाकाल में वे सहायक वाणिज्य प्रबंधक झांसी, मंडल परिचालन प्रबंधक आगरा, मंडल परिवहन प्रबंधक और उप मुख्य परिवहन प्रबंधक टूंडला जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। टूंडला में उप मुख्य परिवहन प्रबंधक रहते हुए महाकुंभ आयोजन के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। इसके अलावा आगरा और टूंडला में कार्यकाल के दौरान उन्होंने समर्पित माल ढुलाई गलियारे पर रेल परिचालन को सुचारू बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

NAME CHANGE

I Ram Pravesh Ray, Father of Army No. 15720517L, Hav, Raju Kumar Residing at Rampur Khairi, Pohiyar, Mahnar, Vaishali, Bihar, 844507 have change my name from Ram Pravesh Roy to Ram Pravesh Ray vide affidavit no.CA 479085 dt 29/01/2026 at court campus Nasirabad

आम सूचना

मेरी माता लाली पत्नि कैलाश जाति नाई निवासी ग्राम भोगादीत की मृत्यु दिनांक 01/01/2000 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम भोगादीत में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत भोगादीत में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता लाली का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- राजकुमार पुत्र कैलाश नाई, ग्राम भोगादीत, तहसील अराई, अजमेर

आह्वान पत्र

राजस्थान सरकार
विचार्य विषयों के निर्धारण के लिये प्रतिवादी के नाम
आह्वान पत्र
(ऑर्डर 5 रूल जाब्ता दीवानी)

न्यायालय-अपर जिला एवम् सेशन न्यायाधीश महोदय स्थान-सरदारशहर
श्री सुबोध शैक्षिक एवम सांस्कृतिक समिति बनाम- कामायनी वगैरह
दावा- प्राप्त करने डिक्री घोषणात्मक, आज्ञादायी एवम चिरस्थाई व्यादेश
दावा संख्या- 68 सन् 2021
बनाम-
1. कामायनी पुत्री स्व. विश्वनाथ जाति जालान निवासी जालान मार्ग, सरदारशहर जिला चूरू(राजस्थान)।
2. मानवी पुत्री स्व. विश्वनाथ जाति जालान मार्ग, सरदारशहर जिला चूरू (राजस्थान)।
3. सुलोचना देवी पत्नि स्व. विश्वनाथ जाति जालान निवासी जालान मार्ग, सरदारशहर जिला चूरू (राजस्थान)।
4. मुखराम पुत्र स्व. मघराज जाति नाथोलिया-ब्राह्मण निवासी जम्मड़ों के कुएं के पास, सरदारशहर जिला चूरू (राजस्थान)।

आपको सूचित किया जाता है कि वादी श्री सुबोध शैक्षिक एवम सांस्कृतिक समिति, सरदारशहर जरिये सचिव दीनदयाल पुत्र बृजमोहन लाटा निवासी सरदारशहर जिला चूरू (राजस्थान) ने आपके विरूद्ध इस न्यायालय में यह दावा पेश कर डिक्री घोषणात्मक आज्ञादायी एवम डिक्री चिरस्थाई निषेधाज्ञा पारित करने हेतु निवेदन किया है। अतः आपको सूचना दी जाती है कि आप इस दावा का जवाब प्रस्तुत करने के लिये दिनांक 18 माह 03 सन 2026 को 10 बजे पूर्वान्ह में व्यक्तिशः या अपने वकील द्वारा जो कि मुकदमे हाल से परिचित किया गया हो,मुकदमे से संबंधित समस्त महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो प्रश्न का उत्तर दे सके उपस्थित होने के लिये आमंत्रित किया जाता है। ज्ञात रहे कि उपरोक्त तारीख को आप उपस्थित न हुए तो आपकी अनुपस्थिति में सुन कर निर्णय कर दिया जायेगा। यह आज तारीख 4 माह 01 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

-अपर जिला न्यायाधीश, सरदारशहर, जिला चूरू(राज.)

मनरेगा को कमजोर करने के विरोध में कांग्रेस का शांतिपूर्ण धरना

अजमेर, (निसं)। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर के सभी मंडल एवं ब्लॉकों में मनरेगा बचाओ अभियान के तहत शांतिपूर्ण धरनों का आयोजन किया गया।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जयपाल ने कहा कि मनरेगा केवल योजना नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए काम के अधिकार की संवैधानिक गारंटी है। केंद्र सरकार की नीतियां इसे कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं।

आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने भी मनरेगा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

मनरेगा मजदूरों के हक़ में कांग्रेस का सशक्त प्रदर्शन: मनरेगा मजदूरों के अधिकार हित और सम्मान की रक्षा की मांग को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर दक्षिण ब्लॉक 'ब' कांग्रेस कमेटी द्वारा अलवर गेट चौराहा स्थित सेंट पॉल स्कूल के सामने विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने में अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी व नेता प्रतिपक्ष डॉ. द्रोपदी कोली तथा अजमेर उत्तर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल ने विचार व्यक्त किये। वक्ताओं ने मनरेगा मजदूरों को समय पर भुगतान पर्याप्त रोजगार सामाजिक सुरक्षा और सम्मान दिलाने की मांग को लेकर सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर मजदूरों के हक़ की लड़ाई को और तेज़ करने का संकल्प लिया। इस दौरान सैयद फकरे मोईन, मंडल अध्यक्ष दिनेश शर्मा, धर्मेन्द्र नागवाल, ईश्वर राजोरिया, मनीष सेन, कौशल चित्तौड़िया एवं रमा मिश्रा सहित कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मनरेगा बचाओ अभियान के तहत शांतिपूर्ण धरनों का आयोजन किया गया।

■ **राजकुमार जयपाल ने कहा कि मनरेगा केवल योजना नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए काम के अधिकार की संवैधानिक गारंटी है**

बार एसोसिएशन शपथ ग्रहण समारोह आज

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। बार एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह शनिवार को सांय 4 बजे मार्बल एसोसिएशन कार्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति अरुण मोगा व फरजन्द अली शिरकत करेंगे। प्रवक्ता नासिर हुसैन, राजवीर सिंह सिरसू के अनुसार समारोह में अध्यक्ष दिनेश कुमार जाट सहित बार एसोसिएशन कार्यकारिणी पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण करेगी।

LSG/BEAWAR/MUT/171299
DATE :- 29.01.2026 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/11509 दिनांक-30-01-26

सार्वजनिक सूचना

श्री विजेन्द्र सिंह चौहान पुत्र श्री मोहन सिंह चौहान निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 5/जय अम्बे नगर गोविन्दपुरा खसरा नं. 393/2 प्लाट नं. 14 का पूर्वी भाग क्षेत्रफल 87.50 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड श्री नोरतमल श्री वस्तीमल पुत्र श्री सुवा जी के नाम पट्टा विलेख जारी है। रजि बेचान-नामा दिनांक 21.09.2010,23.05.2016, 04.01.2021, 29.11.2021 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नही होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2091 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-30.01.26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-च-10, धोलाभाटा, अजमेर क्षेत्रफल 92.00 व.मी. मूल आवंटी श्री जेठानन्द खबर पुत्र श्री निहाल सिंह खबर को आवंटित कर दिनांक 09.12.1978 को उक्त आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री जेठानन्द खबर पुत्र श्री निहाल सिंह खबर द्वारा दिनांक 27.08.1990 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री जेठानन्द खबर की मृत्यु दिनांक 09.07.1999 को हो जाने के कारण उनकी पुत्रवधू श्रीमती सावित्री खबरानी पत्नि स्व. श्री कुमार खबरानी द्वारा वसीयतनामा (अंतिम इच्छा पत्र) प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। श्रीमती सावित्री खबरानी के पक्ष में श्री राजेश खबर एवं मंजू पेशवानी द्वारा घोषणा पत्र प्रस्तुत किया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 27.08. 2024 को श्रीमती सा वित्री खबरानी पत्नि स्व. श्री कुमार खबरानी के पक्ष में मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। अब श्रीमती सावित्री खबरानी की मृत्यु दिनांक 25.12.2025 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री राजेश खबर पुत्र स्व. श्री कुमार खबरानी द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री राजेश खबर पुत्र स्व. श्री कुमार खबरानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्नी राजेश खबर पुत्र स्व. श्री कुमार खबरानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी. जावेगी। - सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2088 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-30.01.26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2-ख-12, शास्त्री नगर, अजमेर क्षेत्रफल 267.00 वर्ग गज मूल आवंटी श्री जे.सी. शर्मा पुत्र श्री सी.एम. शर्मा को आवंटित कर उक्त आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री जे.सी. शर्मा पुत्र श्री सी.एम. शर्मा द्वारा जरिये इकरारनामा मुख्तवारनामा एवं वसीयतनामा के आवास का बैचान श्री सूरज मोहन लाल राय पुत्र स्व. श्री बृजमोहन राय को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 03.11.2001 को श्री सूरज मोहन लाल राय के पक्ष में नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्री सूरज मोहन लाल राय द्वारा दिनांक 10.10.2002 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात श्री सूरज मोहन लाल राय पुत्र स्व. श्री बृजमोहन राय द्वारा आवास का बैचान श्री रामचन्द सीतलानी पुत्र श्री ढालूमल सीतलानी को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 15.03.2016 को श्री रामचन्द सीतलानी पुत्र श्री ढालूमल सीतलानी के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री रामचन्द सीतलानी की मृत्यु दिनांक 19.01.2025 को एवं श्रीमती कान्ता सीतलानी की मृत्यु दिनांक 23.05.2018 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री लक्ष्मण सीतलानी पुत्र स्व. श्री रामचन्द सीतलानी द्वारा दिनांक 10.11.2020 को निष्पादित रजिस्टर्ड वसीयतनामा प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 03 जिल्द संख्या 14 में पृष्ठ संख्या 121 क्रम संख्या 202003002300215 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 03 जिल्द संख्या 28 के पृष्ठ संख्या 155 से 164 पर दिनांक 10.11.2020 को चस्पा किया गया है। अब श्री लक्ष्मण सीतलानी पुत्र स्व. श्री रामचन्द सीतलानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री लक्ष्मण सीतलानी पुत्र स्व. श्री रामचन्द सीतलानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

अजमेर(निसं)। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष संजय पुरोहित के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। संजय पुरोहित ने कहा कि गांधीजी का जीवन सत्य, अहिंसा और समाज कल्याण को समर्पित था। हमें उनके आदर्शों पर चलकर देश की उन्नित में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर शिवकुमार बंसल, जीएस बुंदेला, रमेश गारवाल, अमित पाराशर, प्रियेश माथुर, मंसूर अली, नवाजुल हक सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

शहीद दिवस पर गांधी को श्रद्धांजलि: शहीद दिवस के अवसर पर महावीर सेवा परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गांधी भवन स्थित राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इन्क्लूजन का सशक्त मंच बना 18वां किलबिल बाल मेला

अजमेर, (निसं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास द्वारा संचालित मीनू स्कूल में आयोजित 18वें किलबिल बाल मेले में 10 हजार से अधिक दिव्यांग एवं गैर-दिव्यांग बच्चों की सहभागिता से स्कूल परिसर उल्लास से गूंज उठा।

संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि मेले का उद्देश्य दिव्यांग और गैर-दिव्यांग बच्चों को साझा मंच देकर समावेशी सोच विकसित करना है। उद्घाटन विभिन्न प्रशासनिक, सामाजिक एवं सुरक्षा विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मेले में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, फन जोन, फूड जोन, बाल अधिकारों पर प्रदर्शनी और इनामी कूपन ड्रा आकर्षण का केंद्र रहे। समापन सत्र में अतिथियों ने किलबिल बाल मेले को सामाजिक समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

■ **मेले का उद्देश्य दिव्यांग और गैर-दिव्यांग बच्चों को साझा मंच देकर समावेशी सोच विकसित करना है**

किलबिल का उद्घाटन अशोक जी प्रांतीय प्रचारक राष्ट्रीय सेवक संघ, डॉ. के.जी. कबुई डी.आई.जी. सी.आर.पी.एफ. अजमेर, कर्नल बी.एस. बादल, डॉ. पूर्णिमा पचौरी अधीक्षक जनाना अस्पताल अजमेर, श्याम सुन्दर बिश्नोई अति. पुलिस अधीक्षक एस.ओ.जी. अजमेर, रामचन्द्र जाट उप पुलिस अधीक्षक अजमेर ग्रामीण, बी.एल. मीणा एयरपोर्ट निदेशक किशनगढ़, खेमराज मीणा सहायक प्रबंधक सिविल, अमित जैन अध्यक्ष अहिंसा सेवा मंच, संगीता सामन्त, पूजा गुप्ता आदि ने संयुक्त रूप से किया। अजमेर, ब्यावर और नागौर की 150 स्कूलों के बच्चों एवं स्टाफ तथा समुदाय के लोगों को चैलेंजिंग चैलेंजेज गतिविधियों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के दैनिक क्रियाकलापों में आने वाली चुनौतियों को महसूस कराते हुए समानुभूति का भाव विकसित कर संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया।

दिया कुमारी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर

ब्यावर (निसं)। ब्यावर यूथ संगठन के तत्वावधान में अमृत कौर ब्लड बैंक में प्रदेश की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी जी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संगठन के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इस दौरान कुल 11 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया।

एनईपी 2020 के क्रियान्वयन को लेकर शिक्षक कनेक्ट कार्यक्रम

अजमेर(निसं)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 29 व 30 जनवरी 2026 को दो दिवसीय शिक्षक कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन कुलपति आनंद भालेराव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित शैक्षिणक सत्रों में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, विश्वविद्यालय प्रशासकों एवं विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इनमें केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के कुलपति आर. पी. तिवारी, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति रमाकांत पांडेय, केंद्रीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के कुलपति एस. ए. कोरी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के इंस्ट्रक्शनल सिस्टम्स वैज्ञानिक प्रकाश हेगड़े शामिल रहे।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव जितेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। एक विशेष सत्र में वाधवानी फाउंडेशन की प्रतिनिधि सुजाता ने विद्यार्थियों में उद्यमशीलता विकसित करने के लिए सतत मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन से विद्यार्थी अपने विचारों को सफल और व्यवहारिक उद्यमों में परिवर्तित कर सकते हैं। वहीं एक्सप्रेशन्स इंडिया के वरिष्ठ मनोचिकित्सक नागपाल ने मानसिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षित शिक्षण वातावरण को प्रभावी शिक्षा की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं, तो उनकी सीखने की क्षमता और सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति आनंद भालेराव ने कहा कि शिक्षक कनेक्ट कार्यक्रम देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों को शैक्षिणक परिवर्तन की धुरी मानती है और इस प्रकार के मंच संवाद, नवाचार, भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती तकनीकों के समन्वय से शिक्षकों को सशक्त बनाते हैं।

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला - अजमेर (राज)

क्रमांक / नपकि / विकास / 2026 / 3047 दिनांक 23.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 36/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी सिविल कार्यो में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाऍ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 27.01.2026 को 05:30 पी एम से तथा प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक 06.02.2026 को 06:00 पीएम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. DLB2526B0865

आयुक्त
नगर परिषद्, किशनगढ़

राज.संवाद / सी / 25 / 18788

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स आर.के. एन्टरप्राइजेज, मकराना रोड, मदनगंज-किशनगढ़ अजमेर एक भागीदार फर्म है, जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, अजमेर के पास रजिस्ट्रेशन नं. 17/01/88/2033 से पंजीकृत फर्म है। उक्त फर्म में सर्व निवासीगण मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान निम्न भागीदार थे- 1. श्री अशोक पाटनी 2. श्री सुरेश पाटनी 3. श्री विमल पाटनी 4. श्री विनीत पाटनी 5. श्री विकास पाटनी 6. श्री कंवरलाल पाटनी 7. श्री विनय पाटनी 8. श्री विवेक पाटनी 9. श्री ऋषभ पाटनी एवं 10 श्री निर्मल कुमार जैन

उक्त भागीदार फर्म में निम्न भागीदार ने स्वेच्छा से सेवानिवृत ग्रहण की है-

क्र.सं.	भागीदार का नाम	साझेदारी छोड़ने की तिथि
1.	श्री कंवरलाल पाटनी	01/04/2025

अतः इस संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति, ऐतराज हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, आरपीएससी के पीछे, जयपुर रोड, अजमेर (राजस्थान) पते पर अपना ऐतराज मय सबूत प्रस्तुत करें, बाद मियाद में कोई ऐतराज मान्य नहीं होगा। मैसर्स आर.के. एन्टरप्राइजेज, मकराना रोड, मदनगंज-किशनगढ़-अजमेर

-मैसर्स आर.के. एन्टरप्राइजेज, एसडी-अशोक पाटनी, (पार्टनर) आर.के.हाऊस, मदनगंज-अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक- न.पा.बि./निमार्ण स्वी./2025/5745 **आम सूचना** दिनांक:19-01-2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
185	सम्पत देवी पत्नि दुर्गालाल सेन	सुखदेव कॉलोनी ख.सं. 170 व 171 भू.सं. 15 का पूर्वी हिस्सा प्रा.नं. 15-ए	60.67 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/69क/2025-26/298 **आपत्ति सूचना** दिनांक-30.01.26

श्री कृष्ण गोपाल खण्डेलवाल पुत्र श्री कल्याणमल खण्डेलवाल निवासी गुलाब बाड़ी मोदी बिल्डिंग के पास अजमेर प्रस्तावित स्थल गुलाब बाड़ी अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 579.66 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।
पूर्व- कन्हैया लाल का मकान — उत्तर - प्रापर्टी दया शंकर जी
पश्चिम- शिव टेम्पल — दक्षिण - 20 फीट चौड़ा रास्ता

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69-ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। - प्रभारी अधिकारी 69-ए,नगर निगम अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2089 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-30.01.26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-डी-160-डी, फेज-चतुर्थ, किशनगढ़ क्षेत्रफल 44.00 व.मी. मूल आवंटी श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि श्री रूपचन्द को आवंटित कर 30.07.2020 को उक्त आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि श्री रूपचन्द द्वारा दिनांक 25.09.2020 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि श्री रूपचन्द की मृत्यु दिनांक 04.05.2022 को हो जाने के कारण उनके पति श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री सौभागमल जैन द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री रूपचन्द जैन के पक्ष में श्रीमती चेतना निलेश कुमार जैन पुत्री श्री रूपचन्द जैन एवं पत्नि श्री निलेश कुमार जैन एवं श्री धीरज गदियां पुत्र श्री रूपचन्द जैन द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री सौभागमल जैन ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री सौभागमल जैन का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
-सहायक प्रशासनिक अधिकारी,राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड-अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2090 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-30.01.26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 5/27, पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर मूल आंवटी श्री दीनदयाल राजोरिया पुत्र श्री रामप्रसाद को आवंटित कर दिनांक 12.03.1999 को उक्त आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री दीनदयाल राजोरिया पुत्र श्री रामप्रसाद द्वारा जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारनामा एवं वसीयतनामा के आवास का बैचान श्री हरीश उदावत पुत्र श्री जगदीश नारायण माथुर व श्रीमती प्रेमलता उदावत पत्नि श्री हरीश उदावत को कर दिया गया। श्री हरीश उदावत की मृत्यु दिनांक 30.10.2003 को हो जाने के कारण मण्डल द्वारा श्रीमती प्रेमलता माथुर पत्नि स्व. श्री हरीश उदावत के पक्ष में दिनांक 10.11.2017 को नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती प्रेमलता माथुर पत्नि स्व. श्री हरीश उदावत द्वारा दिनांक 11.02.2022 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात् श्रीमती प्रेमलता माथुर पत्नि स्व. श्री हरीश उदावत द्वारा आवास का बैचान श्रीमती आशा हल्दूनिया पत्नि श्री हीरा लाल हल्दूनिया को दिनांक 06.12.2025 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2320 में पृष्ठ संख्या 41 क्रम संख्या 202503001108233 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 6273 के पृष्ठ संख्या 19 से 27 पर दिनांक 06.12.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती आशा हल्दूनिया पत्नि श्री हीरा लाल हल्दूनिया ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती आशा हल्दूनिया पत्नि श्री हीरा लाल हल्दूनिया का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्याल य में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
- सहायक प्रशासनिक अधिकारी,राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड-अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत प्रतापगढ़, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापप्र/2025-26/201 — ई-निविदा सूचना 01/2025-26 — दिनांक: 13-01-2026

राज्य वित्त आयोग षष्ठम, पन्द्रहवां वित्त आयोग एवं मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत प्रतापगढ़ में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व अन्य शर्तें एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 5	15.01.2026 (9.00AM) to 21.01.2026 till (05.00 PM)	22.01.2026 till (12.15 PM)	23.01.2026 from 11.00 AM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0027 — UBN No- PHS2526WSOB00170 to 174

प्रशासक, ग्राम पंचायत प्रतापगढ़, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतापगढ़, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

कार्यालय ग्राम पंचायत कलालिया, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापक/2025-26/96 — ई-निविदा सूचना 01/2025-26 — दिनांक: 28-01-2026

मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत कलालिया में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1	29.01.2026 (9.00AM) to 04.02.2026 till (05.00 PM)	05.02.2026 till (12.15 PM)	05.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0033 — UBN No- PHS2526WSOB00188

प्रशासक, ग्राम पंचायत कलालिया, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कलालिया, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

कार्यालय ग्राम पंचायत गिरी, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापगि/2025-26/270 — ई-निविदा सूचना 01/2025-26 — दिनांक: 28-01-2026

विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत गिरी में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 3	29.01.2026 (9.00AM) to 04.02.2026 till (05.00 PM)	05.02.2026 till (12.15 PM)	05.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0029 — UBN No- PHS2526WSOB00176 to 178

प्रशासक, ग्राम पंचायत गिरी, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गिरी, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

कार्यालय ग्राम पंचायत सबलपुरा, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापस/2025-26/29 — ई-निविदा सूचना 01/2025-26 — दिनांक: 28-01-2026

मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत सबलपुरा में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 4	29.01.2026 (9.00AM) to 04.02.2026 till (05.00 PM)	05.02.2026 till (12.15 PM)	05.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0030 — UBN No- PHS2526WSOB00182 to 179

प्रशासक, ग्राम पंचायत सबलपुरा, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सबलपुरा, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

कार्यालय ग्राम पंचायत बगड़ी, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापब/2025-26/57 — ई-निविदा सूचना 01/2025-26 — दिनांक: 28-01-2026

मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत बगड़ी में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 3	29.01.2026 (9.00AM) to 04.02.2026 till (05.00 PM)	05.02.2026 till (12.15 PM)	05.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0031 — UBN No- PHS2526WSOB00183 to 185

प्रशासक, ग्राम पंचायत बगड़ी, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बगड़ी, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

कार्यालय ग्राम पंचायत बूटीवास, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक: ग्रापबू/2025-26/49 — ई-निविदा सूचना 02/2025-26 — दिनांक: 28-01-2026

मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत बूटीवास में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1	29.01.2026 (9.00AM) to 04.02.2026 till (05.00 PM)	05.02.2026 till (12.15 PM)	05.02.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB No- PHS2526A0035 — UBN No- PHS2526WSOB00191

प्रशासक, ग्राम पंचायत बूटीवास, पं.स. रायपुर (ब्यावर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बूटीवास, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

मैंने मजाक में प्रशंसकों और सुरक्षाकर्मियों से एक तरफ हटने का आग्रह करते हुए कहा, "कृपया रास्ता दें, चेट्टा को परेशान न करें। कोई फोटो नहीं।"

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय कप्तान, संजू सैमसन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

देर रात जब फैंस ने विराट कोहली का प्रोफाइल सर्च किया, तो उन्हे स्टाग्राम प्रोफाइल डीएक्टिवेट का संदेश मिला। 274 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स वाला यह अकाउंट अचानक गायब होने से सोशल मीडिया पर हड़कंप मच गया। सिर्फ कोहली का ही अकाउंट गायब नहीं हुआ था। उनके भाई विकास कोहली का इंस्टाग्राम प्रोफाइल भी उसी समय डीएक्टिवेट पाया गया था। जहां विराट का अकाउंट सुबह लगभग 8:30 बजे फिर से दिखाई दिया, वहीं यह खबर लिखे जाने तक विकास कोहली का अकाउंट इनएक्टिव था।

क्या आप जानते हैं ?... टी20 क्रिकेट में मेजबान टीम इंडिया के खिलाफ भारत में खेलते हुए सबसे ज्यादा बार सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव करने का विश्व रिकॉर्ड न्यूजीलैंड ने बना दिया है। उन्होंने पांचवीं बार ये कमाल किया है।

पूर्व टेस्ट क्रिकेट अंपायर आरएस राठौर का निधन

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान के एकमात्र पूर्व टेस्ट क्रिकेट अंपायर रघुवीर सिंह राठौर का निधन हो गया। राजस्थान क्रिकेट संघ के सांख्यिकीविद् ओपी शर्मा के अनुसार आरएस राठौर ने 2 टेस्ट मैच और 4 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की थी। उनका पहला टेस्ट मैच भारत और श्रीलंका के बीच 23-27 नवंबर 1990 को चंडीगढ़ में हुआ था। जबकि उनका पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच 9 सितंबर 1986 को श्रीनगर में था। आरएस राठौर ने 50 प्रथम श्रेणी के मैच भी किए थे। कई वर्षों तक उन्होंने बीसीसीआई के लिए मैच रेफरी की भूमिका भी निभाई। यह उल्लेखनीय है कि राठौर साहब 1980 के दशक में लगभग 15 वर्षों तक उदयपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव भी रहे। 21 सितंबर 1938 को जन्मे राठौर साहब ने राजस्थान क्रिकेट के लिए कई राष्ट्रीय स्तर के अंपायर तैयार किए। उन्हें राजस्थान क्रिकेट के अंपायरिंग क्षेत्र में भीष्म पितामह के रूप में जाना जाता है।

इंटर डिवीजन क्रिकेट चैम्पियनशिप के लिए चार चयनकर्ताओं का चयन

जयपुर, 30 जनवरी। जयपुर के स्थानीय रेलवे क्रिकेट ग्राउंड गणपति नगर पर होने वाली उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ द्वारा इंटर डिविजन क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए चार चयनकर्ताओं को चयन किया गया है। जिसमें शब्बीर हुसैन, निखिल गुरु, जाकिर हुसैन और विजेंद्र यादव होंगे। इस टूर्नामेंट में 8 टीमें भाग ले रही है जयपुर मंडल, अजमेर मंडल, बीकानेर मंडल, जोधपुर मंडल, अजमेर वर्कशॉप, जोधपुर वर्कशॉप, आरपीएफ और एचक्यू भाग ले रही है। यह चैंपियनशिप 20 के आधार पर खेली जाएगी। यह चैंपियनशिप गणपति नगर रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर 9 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक खेली जाएगी। जिसके आधार पर अखिल भारतीय रेलवे क्रिकेट चैंपियनशिप में एनडब्ल्यूआर क्रिकेट टीम बनेगी।

आरसीसी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 30 जनवरी। जयपुर वनडे कप सीजन -1 में आरसीसीक्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.1 ओवर में 219 रन 10

विकेट के नुकसान पर बनाएं। मोहम्मद आरिष ने 76 और अपूर्व आशीष गोयल ने 64 रनों का योगदान दिया। जयपुर की ओर से कैलाश खंगवाल और हेमंत सैनी ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जयपुर की टीम 34 ओवर में 171 रन पर ऑल आउट हो गई ! देवांग ने 50 और अभिषेक वर्मा ने 34 रन का योगदान दिया। आरसीसीक्रिकेट अकादमी की ओर से जय कुमार, लेखराज और अरमान कमल खान ने दो-दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद आरिष को चुना गया।

चार टीमों के बीच होगी फाइनल के लिए टक्कर

जयपुर, 30 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे पोलो कप (08 गोल्स) के लिए शनिवार को चार टीमों के बीच सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच टीम जिंदल बेदला और वी पोलो के बीच पीपीसी पोलो ग्राउंड पर दोपहर 12.30 बजे से आयोजित होगा। वहीं दूसरा मुकाबला जयपुर और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा।

5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के भव्य आयोजन की देशभर में प्रशंसा

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान के इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय स्तर के खेल का आयोजन 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 रूप में किया गया। इसमें देश भर से 24 खेलों के 4448 खिलाडियों ने भाग लिया। सात संभागो में आयोजित इन खेलों के सफल आयोजन की देशभर में प्रशंसा की गई। इस दौरान निर्विवाद खेल आयोजन, आवास, भोजन और आवागमन की सुविधा की सभी ने भरपूर प्रशंसा की। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के संयुक्त तत्वाधान में 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का भव्य आयोजन प्रदेश में किया गया, जिसमें 07 शहर, 12 दिन. 222 यूनिवर्सिटीज, 23 पदक खेलों में 4448 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 11 नये रिकोर्ड बने 42 गोल्ड सहित 67 पदक जीत चंडीगड यूनिवर्सिटी टॉप पर रही। डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि पिछले पांच सालो में खिलाडियों की सबसे ज्यादा भागीदारी राजस्थान में रही। यहां 24 खेलों में 4448 ने भाग लिया। कुछ इवेंटस में खिलाडियों की कम भागीदारी का कारण उनका कॉलेज बदलना और जॉब लगना मुख्य कारण रहा। गत वर्ष आसाम में 3658, वर्ष 2023 में उत्तरप्रदेश में 3613, वर्ष 2022 कर्नाटक में 3894 और वर्ष 2020 उडीसा में खेलों में 3166 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

हार के बाद बांग्लादेश का आईसीसी पर बड़ा आरोप, खराब शेड्यूल को बताया वजह

अंडर-19 विश्वकप

नई दिल्ली, 30 जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अंडर-19 विश्व कप से टीम के बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पर असंतुलित मैच शेड्यूल और लगातार यात्रा कराने के आरोप लगाए।बता दें कि बांग्लादेश अंडर-19 टीम को टूर्नामेंट के दौरान बार-बार शहर बदलने पड़े, जिससे खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ी।

मौजूद जानकारी के अनुसार, टीम को हरारे से बुलावायो तक लगभग नौ घंटे की बस यात्रा करनी पड़ी, वह भी मानसून के मौसम में, जो पहले ही मैच से पहले खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुई।

गौरतलब है कि भारत और न्यूजीलैंड जैसे अहम मुकाबलों से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को खुद के खर्च पर आंतरिक उड़ानों की व्यवस्था करनी पड़ी, ताकि खिलाड़ियों को लंबी बस यात्राओं से बचाया जा सके। बीसीबी के गेम डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटर हबीबुल बशर ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा कि टीम की रणनीति में जरूर कुछ कमियां रहीं, लेकिन यात्रा व्यवस्था ने हालात और मुश्किल बना दिए। हबीबुल बशर के अनुसार, टूर्नामेंट शुरू होने से

पहले ही आईसीसी को यात्रा से जुड़ी दिक्कतों की जानकारी दी गई थी और अभ्यास मैचों के वेन्यू बदलने का अनुरोध भी किया गया था, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। एक बार टूर्नामेंट शुरू होने के बाद शेड्यूल में बदलाव लगभग नामुमकिन हो जाता।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के मुख्य कोच नवीन नवाज और कई खिलाड़ियों ने भी इस अव्यवस्थित कार्यक्रम को लेकर असंतोष जताया है। टीम को अमेरिका के खिलाफ मैच के लिए फिर से हरारे लौटना पड़ा और इसके बाद सुपर सिक्स मुकाबले के लिए दोबारा बुलावायो जाना पड़ा। गौरतलब है कि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले से ही आईसीसी के साथ तनावपूर्ण रिश्तों से गुजर रहा है। इससे पहले टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाने के फैसले के बाद बांग्लादेश की सीनियर टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

अल्कराज और जोकोविच में होगी बादशाहत की जंग

मेलबर्न, 30 जनवरी। कार्लोस अल्काराज शुक्रवार दोपहर को नाटकीय अंदाज में अपने पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुंचे, जहाँ उन्होंने शारीरिक समस्याओं से उबरते हुए और हार के कगार से वापसी करते हुए अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के खिलाफ 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-7(4), 7-5 से एक मैराथन सेमीफाइनल जीत हासिल की। रविवार को होने वाले फ़ाइनल में अल्काराज का मुकाबला दस बार के चैम्पियन नोवाक जोकोविच से होगा जिन्होंने अन्य सेमीफाइनल में दूसरी सीड जैनिक सिनर को पांच सेटों के मुकाबले में 3-6 6-3 4-6 6-4 6-4 से हराया। चौथी सीड नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक बार फिर समय को पीछे छोड़ दिया, जहां उन्होंने सिनर के खिलाफ पांच मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए पांच-सेट के

एक शानदार मैच में जीत हासिल की और रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब और मेलबर्न में 11वें खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह गए। पहला सेट हारने और फिर दो सेट से एक सेट से पीछे होने के बाद, जोकोविच के लिए हाल की जानी-पहचानी कहानी दोहराए जाने का खतरा था, जो 2025 में चारों मेजर के सेमीफाइनल में हार गए थे। हालांकि, इस बार 38 वर्षीय खिलाड़ी ने हार मानने से इनकार कर दिया। रॉड लेवर एरिना में लाइट्स के नीचे शानदार प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने खुद को मैच में वापस खींचा और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। अल्काराज, जिन्होंने मेलबर्न में अपने शुरुआती पाँच मैचों में एक भी सेट नहीं हारा था, ज़्वेरेव के खिलाफ़ दो सेट की बढ़त बनाने के बाद अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की राह पर दिख रहे थे।

अंडर-19 विश्वकप : अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 191 रनों से हराया

हरारे, 30 जनवरी। फैसल शिनोजादा (163) की शतकीय और कप्तान महबूब खान (89) की अर्धशतकीय पारियों के बाद अब्दुल अजीज और अकील खान (तीन-तीन विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने शुक्रवार अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स ठाुप एक मुकाबले में आयरलैंड को 191 रनों से शिकस्त दी। 316 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की पूरी टीम अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 40.4 ओवरों में 124 रन पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए मार्क्स बेट्स ने सर्वाधिक 34 रन बनाये। इसके अलावा रुबेन विल्सन (31), रॉब ओब्रायन (16), जेम्स वेस्ट (15) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। अफगानिस्तान के लिए अब्दुल अजीज और अकील खान ने तीन-तीन विकेट लिये। नूरीसतानी ओमरजई और रूहुल्लाह अरब ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में खालिद अहमजई (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें रूबेन विल्सन ने बोल्ड आउट किया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये फैसल शिनोजादा ने उस्मान सादत के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान आठवें ओवर में थॉमस फोर्ड ने उस्मान सादत (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये उजैरुल्लाह नियाजई ने शिनोजादा के साथ तीसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़े।

चीनी फुटबॉल में मचा हड़कंप, मैच फिक्सिंग में पूर्व कोच समेत 73 पर लगा लाइफटाइम बैन

नई दिल्ली, 30 जनवरी। चीन के फुटबॉल में लंबे समय से चल रही गड़बड़ियों पर आखिरकार बड़ा एक्शन देखने को मिला है। बता दें कि चीनी फुटबॉल संघ ने गुरुवार को मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में कड़ा फैसला लेते हुए 73 लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय टीम कोच ली टिए भी शामिल हैं। इसके साथ ही 13 पेशेवर फुटबॉल क्लबों पर आर्थिक दंड भी लगाया गया है।

गौरतलब है कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चल रहे व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में इस अभियान के तहत कई शीर्ष फुटबॉल अधिकारियों को पद से हटाया गया है और दर्जनों खिलाड़ियों पर सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग के आरोपों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है हैं।

बता दें कि ली टिए, जो इंग्लिश क्लब एवर्टन के लिए भी खेल चुके हैं और 2019

से 2021 तक चीन की राष्ट्रीय टीम के कोच रहे थे, पहले से ही रिश्वतखोरी के मामले में 20 साल की सजा काट रहे हैं। उन्हें दिसंबर 2024 में दोषी ठहराया गया था। वहीं, पूर्व चीनी फुटबॉल संघ अध्यक्ष चेन शूयुआन को भी करीब 1.1 करोड़ डॉलर की रिश्वत लेने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। क्लब स्तर पर भी इस फैसले का बड़ा असर पड़ा है। 2025 चीनी सुपर लीग की 16 में से 11 टीमें अगले सीजन में अंक कटौती और जुर्माने का सामना करेंगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, तियानजिन जिनमेन टाइगर और पिछले सीजन की उपविजेता शंघाई शेनहुआ को 2026 सत्र की शुरुआत में 10-10 अंक गंवाने होंगे और 10 लाख युआन का जुर्माना देना होगा। लगातार तीन बार की चैंपियन शंघाई पोर्ट और बीजिंग गुओआन पर पांच-पांच अंक की कटौती के साथ 4 लाख युआन का जुर्माना लगाया गया।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि इस सख्त कार्रवाई से चीन में पेशेवर फुटबॉल की साख सुधारने की कोशिश की जा रही है। लंबे समय से भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहे चीनी फुटबॉल के लिए यह कदम एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसका असर आने वाले सीजन में लीग की प्रतिस्पर्धा पर भी साफ दिखेगा।

न्यूजीलैंड को 65 रनों से हराकर इंग्लैंड अंडर-19 विश्वकप के सेमीफाइनल में

बुलावायो, 30 जनवरी। बेन मेयस (53), कैलेब फाल्कनर (47) और बीजे डॉवकिंस (42) की संघर्षपूर्ण पारियों के बाद मैनी लुम्सडेन (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजो के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स दो में न्यूजीलैंड को 65 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। 235 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की पूरी टीम इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 38.5 ओवर में 169 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के स्नेहित रेड्डी ने सर्वाधिक 47 रन बनाये। इसके अलावा जसकरण संधू (26), ह्यूगो बोग्यू (18), हैरी बर्न्स (17), कैलम सैमसन (14), आर्यन मान और टॉम जोन्स 13-13 रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड के लिए मैनी लुम्सडेन ने 17 रन देकर पांच विकेट लिये। सेबेस्तियन मॉर्गन को दो विकेट मिले। एलेक्स ग्रीन और फरहान अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

रिशेन जिलोवा बने चैंपियन

जयपुर, 30 जनवरी। जयपुर जिला शतरंज संघ द्वारा राजस्थान शतरंज संघ, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ एवं फाइड के तत्वावधान में आयोजित राजस्थान राज्य अमेच्योर (अंडर-2300)

चयन ट्रायल ओपन एवं महिला फाइड रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन 24 से 26 जनवरी तक सुबोध कॉलेज, रामबाग, जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में राजस्थान भर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कुल पुरस्कार राशि 1,00,000 रही। आठ राउंड की स्विस प्रणाली में खेली गई इस प्रतियोगिता में जयपुर के रिशेन जिलोवा (1804) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7.5 अंक प्राप्त कर ओपन अंडर-2300 वर्ग का खिताब जीता और उन्हें 5,100 नकद व ट्रॉफी प्रदान की गई। सिद्धांत चतुर्वेदी (जयपुर) ने 6.5 अंक के साथ 3,100 व ट्रॉफी जीतते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि हर्षवर्धन सिंह परिहार (बीकानेर) ने 6.5 अंक के साथ 2,100 का पुरस्कार जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पीवी सिंधु क्वार्टरफाइनल में

जकार्ता, 30 जनवरी। पी वी सिंधु दाइहात्सु इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां शुक्रवार को उनका मुकाबला टॉप सीड चेन यू फी से होगा। चेन के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 7-6 से आगे होने के कारण, क्वार्टर फाइनल मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है। सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफिल्ट को 43 मिनट में 21-19, 21-18 से हराकर अपनी जगह पक्की की। सातवीं सीड लक्ष्य सेन भी आगे बढ़े और हांगकांग के जेसन गुनावन को एक और 43 मिनट के मुकाबले में 21-10, 21-11 से हराकर थाईलैंड के पानित्चाफोन टीरारत्सकुल से भिड़ेंगे।

राजस्थान-पॉन्डिचेरी रणजी मैच राजस्थान दूसरी पारी में 77/2

जयपुर, 30 जनवरी। पॉन्डिचेरी में खेले जा रहे राजस्थान - पॉन्डिचेरी रणजी मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 168 आल आउट। टीम के लिए दीपक चौधरी 64, दीपक हुड्डा 36, रामनिवास गोलाडा 31 रन। पॉन्डिचेरी के गेंदबाज करं 37 / 5 व सागर 54 / 3, पॉन्डिचेरी पहली पारी 349 आल आउट। टीम के लिए नयन 120, अमन 118 व पुनीत 45 रन। राजस्थान के गेंदबाज मोहित छांगरा78 / 3, दीपक हुड्डा 32 / 2, अनिकेत चौधरी 67 / 2 व महिपाल, अजय कुकना व दीपक 1 - 1 विकेट। राजस्थान दूसरी पारी 77 / 2, टीम के लिए रामनिवास गोलाडा 47 व सलमान खान नाबाद 25 रन।

अंडर 23 सी केनायड्रू ट्रॉफी - राजस्थान - ओडिसामैच के पहले दिन का स्कोर :- राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आज से जयपुर में शुरू हुए राजस्थान - ओडिसामैच के पहले दिन राजस्थान के राजस्थान के सुमित गोदारा व रजत बघेल के अर्धशतक। राजस्थान पहली पारी 270 / 6, टीम के लिए रजत बघेल 74, सुमित गोदारा 70, दर्शन जैन 46, अनिरुद्ध सिंह नाबाद 44 व चेतन नाबाद 17 रन।ओडिसाके गेंदबाज बादाल 71 / 5, इंदौर में खेली जा रही राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14 ट्रॉफी के राजस्थान - यूपीसीएफाइनल मैच ड्रासमाप्त, यूपीसीएको पहली पारी में बढ़त।

राजस्थान पहली पारी 218 आल आउट। टीम के लिए पुनीत यादव 71 ,मुकुल कौशिक 33, गौरव पुनिया 29, आयुष रविंद्र 22, अनमोल शर्मा 20, नलिन दुल्लर 19 रन। यूपीसीए के गेंदबाज अर्णव 40 / 3 विकेट। यूपीसीए पहली पारी 590 आल आउट।यूपीसीएटीम के लिए हर्ष 188, आयुष्मान 157 रन।राजस्थान के गेंदबाज अभिमन्यु चौधरी 109 / 3, गौरव पुनिया 142 / 3 अनमोल शर्मा 94 / 2 व भावेश बघेल 1 विकेट। राजस्थान दूसरी पारी 234 / 5, टीम के लिए मुकुल कौशिक नाबाद 110 व पुनीत नाबाद 58 रन।

राज्य स्तरीय अंडर 23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी - आज से राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी के तीसरे दिन तनिका शर्मा का नाबाद आतिशी शतक, रिज़ा, धृति माथुर, भाविनी भार्गव, अनुष्का शर्मा के अर्धशतक। पहला मैच टीम बी - टीम ऐ (टीम ऐ जीती), टीम बी पारी 181 आल आउट। टीम के लिए रिज़ा 59, पार्वती 26 व मनीषा 20 रन।टीम ऐ की गेंदबाज अर्चना योगी 26 / 3, ख़ुशी जैन 28 / 3, मैना सियोल 41 / 2 विकेट। टीम ऐ पारी 182 / 2,तनिका शर्मा नाबाद 103, अक्षिता 41। दूसरा मैच टीम सी - टीम डी (टीम डी जीती), टीम डी पारी 259 / 4, टीम के लिए धृति माथुर 78, भाविनी भार्गव 71, याना 34 व नीतू 27 रन।टीम सी पारी 174 / 5, टीम के लिए अनुष्का शर्मा 52, प्रियांशी 25 व मुस्कान 27 रन।

जयपुर में रोमांच चरण पर, महाराष्ट्र का दबदबा, पुदुचेरी व उत्तर प्रदेश ने भी दर्ज की अहम जीत

जयपुर, 30 जनवरी। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर स्थित एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड पर आयोजित 5वीं सॉफ्ट हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 के अंतर्गत 29 एवं 30 जनवरी को खेले गए मुकाबलों में उच्च स्तरीय खेल, तेज गति और जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। विभिन्न वर्गों में खेले गए इन मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीक, अनुशासन और आक्रामक खेल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

प्रतियोगिता के दौरान महाराष्ट्र की टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए पहले मध्य प्रदेश को 9-1 के बड़े अंतर से पराजित किया, जबकि इसके बाद पुदुचेरी के विरुद्ध 10-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस मुकाबले में महाराष्ट्र के साहिल एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल दागे, वहीं श्लोक ने 2 गोल किए। इसके अतिरिक्त दिगंबर और ऋषि ने 1-1 गोल कर टीम की जीत को और मजबूत किया।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने संतुलित एवं संगठित खेल का परिचय देते हुए हरियाणा को 4-0 से पराजित किया। दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने अंतिम क्षणों तक कड़ा संघर्ष किया। वहीं एक अन्य बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान की टीम ने मध्य प्रदेश को 4-3 से पराजित किया। इस मैच में मध्य प्रदेश की ओर से प्रशांत राठौर और युवराज सिंह ने 1-1 गोल किए।

सिद्धेश लाड का शतक, मुंबई ने बनाई 45 रनों की बढ़त

मुम्बई, 30 जनवरी। कप्तान सिद्धेश लाड (नाबाद 110), सुवेद पारकर (नाबाद 53) और मुशीर खान (57) की शानदार पारियों के दम पर मुम्बई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में शुक्रवार को स्टंप्स के समय तक दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में पांच विकेट पर 266 रन बनाकर 45 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं। आज यहां मुम्बई ने कल के एक विकेट पर 13 रन से आगे खेलना शुरु किया।

राजस्थान टीम संतोष ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में

जयपुर, 30 जनवरी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा असम में आयोजित फाइनल राउंड 79, सीनियर फुटबॉल संतोष ट्रॉफी चैंपियनशिप में अपने ग्रुप में 7 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रह कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में नागालैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला।

मैच के 17 वे मिनट में राजस्थान के अमित ने अल्ताफ के शानदार पास पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई परन्तु खेल के 38 वे मिनट में नागालैंड ने गोल स्कोर 1-1 कर दिया। मध्यांतर तक दोनों टीम 1-1 गोल की बराबरी पर थी। खेल के 65 वे मिनट में राजस्थान को पेनल्टी मिली जिसे कप्तान मुकेश ने गोल कर बढ़त 2 -1 कर दी। खेल के 80 वे मिनट में नागालैंड को पेनल्टी मिली जिसे गोल कर स्कोर 2 -2 हो गया जो अंत तक कायम रहा। इस प्रकार राजस्थान टीम ग्रुप में 2 मैच जीत, एक ड्रॉ और 2 हार के 7 अंकों के साथ ग्रुप में तीसरे स्थान पर रह कर क्वार्टर में प्रवेश किया।

जालंधर में 71-72 के बाद राजस्थान ने इतिहास बनाते हुए संतोष ट्रॉफी में क्वार्टर में प्रवेश किया। राजस्थान टीम को कोच नरेंद्र सिंह ने गत 2 माह गहन प्रशिक्षण दिया जिसकी बदौलत टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले ग्रुप आई में विजेता रहकर फाइनल राउंड में प्रवेश किया और अब असम में फाइनल राउंड में शानदार प्रदर्शन करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह राजस्थान फुटबॉल के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।राजस्थान का मुकाबला 2 फरवरी को ग्रुप बी के द्वितीय नम्बर की टीम के साथ होगा।

अखिल भारतीय सब जूनियर बैडमिंटन

राजस्थान की आराध्या तीन गेमों में जीती

जयपुर, 30 जनवरी। राजस्थान की आराध्य टेलर ने यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही योनेक्स-सनराईज अखिल भारतीय सब जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता के योग्यता चक्र में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। बालिका वर्ग के अंडर-17 के मैच में आराध्या ने तीन गेमों तक चले मुकाबले में महाराष्ट्र की शरवरी को 15-8, 11-15, 15-13 से पराजित किया। इसी आयु वर्ग के अन्य मुकाबले में तुहीन बादल ने महाराष्ट्र की मिहिका पाठक को 15-12, 15-9 से, आराध्या ढिंगरा ने महाराष्ट्र की अंकिता मांगले को 15-6, 15-5 से, नेहल सिसोदिया ने महाराष्ट्र की समन्वया को 15-9, 12-15, 15-10 से पराजित किया। अंडर-17 बालक वर्ग के तीसरे दोर के मैच में

राजस्थान के भावेष भादू ने मध्यप्रदेष के पुष्कर गिरधर को 8-15, 15-12, 18-16 से, कंदर्प शर्मा ने उत्तराखंड अर्थ पांचाल को 15-4, 15-2 से, देवाषीष प्रजापति ने उत्तरप्रदेष के श्लोक राज को 15-5, 15-11 से, हर्षवर्धन मांझू ने मध्यप्रदेष के तनय देषवाल को 12-15, 15-9, 15-4 से, गर्वित बरवार ने हरियाणा के अरूण को पहला गेम हारने के बाद 18-20, 15-12, 15-6 से, दिव्यांष तोमर ने कर्नाटक के सिद्धार्थ एस. नायर को 15-9, 15-13 से, अक्षत शेखावत ने दिल्ली के राघव कौषिक को 15-8, 15-9 से, मानस गहलोत ने हरियाणा के ईषान को 18-16, 16-14 से, तपेष्वर पूनिया ने पंजाब के अर्जुन जग्गा को 15-3, 15-4 से, माधव शर्मा ने कर्नाटक के मोहम्मद नाजमी को 17-15, 15-11 से षिकस्त दी। आयोजको के अनुसार शनिवार को 448 मुकाबले खेले जाएंगे। मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

सचिवालय में प्रतिमा के सामने बैठकर उन्होंने गांधी जी के प्रिय भजन सुने

जयपुर, 30 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर शुक्रवार प्रात: शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम' जैसे गांधी जी के प्रिय भजनों का श्रवण किया। इस दौरान, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल के साथ पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव व अतिरिक्त मुख्य सचिवों सहित बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारियों, सचिवालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने गांधी जी की मूर्ति के सामने दो मिनट का मौन रखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शासन सचिवालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

प्र.मंत्री मोदी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके अलावा अन्य नेताओं ने भी बापू को नमन किया।

प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद थे। सभी ने गांधी जी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को याद किया। इससे पहले मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्श भारत के विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के संकल्प के केंद्र में हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर अपनी पोस्ट में गांधीजी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो तेने कहिये" का स्मरण किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महात्मा गांधी के शहीद स्थल गए व उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होनें एक्स पर लिखा,"महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं - वह सोच, जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की।

- राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को नमन किया।

गैर भाजपा दलों को आशंका, आरटीआई को खत्म करने की तैयारी में है सरकार

गुरुवार को संसद में प्रस्तुत इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में आरटीआई में बदलाव करने का सुझाव दिया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। मनरेगा के बाद, क्या केन्द्र सरकार अब आरटीआई को खत्म करने की मंशा रखती है?

आर्थिक सर्वेक्षण, जो गुरुवार को संसद में पेश किया गया, में आरटीआई अधिनियम की पुन: समीक्षा की बात कहे जाने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपरोक्त सवाल उठाया। सर्वेक्षण में, सूचना को रोके रखने के लिए संभावित रूप से मंत्रिस्तरीय वीटो का सुझाव दिया गया है और यह भी कहा गया है कि नौकरशाहों के सार्वजनिक सेवा अभिलेख, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट को सार्वजनिक संवीक्षा (स्क्रूटिनी) से बचाया जा सकता है।

आर्थिक सर्वेक्षण में दो दशक पुराने आरटीआई अधिनियम में बदलाव का सुझाव देते हुए, गोपनीय रिपोर्टों और मसौदा टिप्पणियों को खुलासे से बाहर रखने की बात कही गई और कहा गया कि ऐसे प्रावधान शासन को बाधित करते हैं। इसमें कहा गया कि आरटीआई अधिनियम का "उद्देश्य कभी भी निरर्थक जिज्ञासा का साधन या बाहर से सरकार को माइक्रो मैनेज करने की व्यवस्था के रूप में नहीं था।" आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, "आरटीआई अधिनियम की पुन: समीक्षा आवश्यक है, लेकिन इसके मूल भाव को कमजोर करने के लिए नहीं, बल्कि इसे विश्व की सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाने, उभरते सबकों को शामिल करने और इसके मूल उद्देश्य से मजबूती से जोड़े रखने के लिए।"

आलोचकों का कहना है कि एनडीए सरकार विधिवत रूप से आरटीआई अधिनियम को कमज़ोर करने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2019 में केन्द्र सरकार ने सूचना आयुक्तों का कार्यकाल और वेतन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। 2023 में सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम लेकर आई, जिससे आरटीआई के सार्वजनिक हित सम्बन्धी प्रावधान को कमजोर किया गया। आलोचकों का कहना है कि यह "भ्रष्टाचार की ढाल बनने और जांच को रोकने के लिए निजता को हथियार बनाने" जैसा है। आरटीआई के क्रियान्वयन को लेकर एनडीए सरकार का रिकॉर्ड भी संतोषजनक नहीं रहा है। 2025 तक लंबित मामलों की संख्या 26,000 तक पहुँच गई थी। दिसंबर 2025 तक, केन्द्रीय सूचना आयोग, बिना मुख्य सूचना आयुक्त के काम करता रहा। पिछले 11 वर्षों में यह सातवाँ अवसर था, जब यह अहम पद खाली रखा गया।

आर्थिक सर्वेक्षण ने तर्क दिया कि ब्रिटेन, अमेरिका और स्वीडन सहित, कई देशों में आंतरिक मीमो और प्रारंभिक नीतिगत चर्चाओं के लिए विशेष छूट है, जिससे निहित संकेत मिलता है कि भारत का आरटीआई दायरा अपेक्षाकृत व्यापक है। पारदर्शिता के पक्षधर इससे असहमत हैं। उनका कहना है कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जिससे यह सिद्ध हो कि आरटीआई शासन को नुकसान पहुँचाता है। ऐक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज ने कहा कि बहुत से आरटीआई आवेदन ऐसे मामलों की सूचना मांगते हैं, जिनकी जानकारी स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक की जानी चाहिए।

- आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि इसमें गोपनीय रिपोर्ट्स और ड्राफ्ट टिप्पणियों को उजागर नहीं करने का प्रावधान होना चाहिए, इससे सुशासन बाधित होता है। आरटीआई कानून जिज्ञासा शांत करने या सरकार को बाहर से मैनेज करने का टूल नहीं है।
- आलोचकों ने कहा कि सरकार 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटैक्शन एक्ट लायी थी ताकि आरटीआई कानून को कमज़ोर किया जा सके। उनका आरोप है कि सरकार आरटीआई एप्लीकेशन्स पर ध्यान नहीं देती है, अभी तक 26,000 प्रार्थना-पत्र लंबित हैं।

पोकरण में आईएसआई एजेंट झबराराम गिरफ्तार

वह सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की सूचनाएं सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान भेजता था

जयपुर 30 जनवरी। राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस विंग ने सरहदी जिले जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में पुलिस ने एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं सीमा पार भेजने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि राज्य में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान इंटेलिजेंस को सूचना मिली कि पोकरण के थाना सांकडा अंतर्गत नेडान गांव निवासी झबराराम पुत्र भाना राम (28 वर्ष) की गतिविधियां संदिग्ध हैं। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार पाक हैंडलर्स के संपर्क में बना हुआ था।

पूछताछ और मोबाइल के तकनीकी परीक्षण में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी झबराराम को पाक एजेंसियों ने हनीट्रैप और धनराशि का लालच दिया था। इस लालच में आकर वह भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इतना ही नहीं, उसने अपने नाम से जारी सिम कार्ड का ओटीपी पाक हैंडलर्स को देकर व्हाट्सएप एक्टिवेट करवाया, जिसका उपयोग देश- विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था।

एडीजी कुमार ने बताया कि संदेह पुख्ता होने पर झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र, जयपुर लाया गया। यहाँ राजस्थान पुलिस, मिलिट्री इंटेलिजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने उससे संयुक्त रूप से कड़ी पूछताछ की। अपराध प्रमाणित पाए जाने पर राजस्थान इंटेलिजेंस ने शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार 30 जनवरी को उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

- झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र जयपुर लाया गया, जहाँ राजस्थान पुलिस, मिलटरी इन्टेलिजेंस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी पूछताछ में कई खुलासे हुए।

गणतंत्र दिवस परेड में नौसेना व दिल्ली पुलिस को पुरस्कार

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मार्चिंग दस्तों और झांकी आदि को शुक्रवार को पुरस्कृत किया जिसमें तीनों सेनाओं में नौसेना और केन्द्रीय पुलिस बलों में दिल्ली पुलिस को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते तथा महाराष्ट्र की गणेशोत्सव: आत्मनिर्भरता का प्रतीक झांकी को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में जम्मू और कश्मीर की जम्मू और कश्मीर के हस्तशिल्प एवं लोकनृत्य तथा केरल की वॉटर मेट्रो एवं 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता: आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर केरल को क्रमश द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया।

- महाराष्ट्र की गणेशोत्सव आत्मनिर्भरता का प्रतीक झांकी को सर्वश्रेष्ठ माना गया।

नाटो में शामिल हुए बिना ही भारत को नाटो के प्रमुख सहयोगी का दर्जा मिलेगा

27 देशों की यूरोपियन यूनियन के साथ रक्षा साझेदारी से भारत को बड़ा लाभ मिलेगा

नयी दिल्ली 30 जनवरी। सत्ताईस देशों के समूह यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते से जहां भारत वैश्विक वित्तीय संरचना में रणनीतिक तौर पर "तीसरे ध्रुव" के रूप में उभर रहा है, वहीं सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी से उसे उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य बने बिना ही संगठन के महत्वपूर्ण सहयोगी का दर्जा मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में "तीसरा ध्रुव" शब्द का प्रयोग एक उभरती वैश्विक शक्ति, विशेष रूप से भारत ,के लिए किया जाता है, जो बहुध्रुवीय विश्व में संतुलन की भूमिका में है यानी भारत, अमेरिका-चीन (जी-2) द्विध्रुवीय ढांचे पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय, स्वतंत्र रूप से तीसरे ध्रुव के रूप में उभर रहा है।

दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने की घोषणा करने के साथ-साथ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। यह भारत और यूरोपीय संघ के बीच अपनी तरह का पहला व्यापक ढांचा है।

यूरोपीय आयोग ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि इस साझेदारी के अंतर्गत भारत और यूरोपीय संघ रक्षा औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ करेंगे और रक्षा पहलों पर समन्वय को आगे बढ़ाएँगे। सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी, समुद्री सुरक्षा, अप्रसार और निरस्त्रीकरण, अंतरिक्ष, साइबर एवं हाइब्रिड खतरों से निपटने तथा आतंकवाद-रोधी प्रयासों जैसे साझा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग और संयुक्त पहलों को सक्षम बनाती है।

दोनों पक्षों ने गोपनीय सूचना के आदान-प्रदान को सक्षम बनाने के लिए "सूचना सुरक्षा समझौते" से संबंधित वार्ता भी शुरू की है, जो यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों के सुरक्षा हितों के अनुरूप होगा।

- विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका -चीन पर निर्भर रहने की बजाय भारत स्वतंत्र रुप से तीसरे ध्रुव के रुप में उभर रहा है।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक कारणों से यह संभव नहीं हो पाता है, तो प्रफुल्ल पटेल नेतृत्व की दौड़ में अगले दावेदार हो सकते है।

शरद पवार ने 1999 में, कांग्रेस से अलग होकर, एनसीपी की स्थापना की थी। उनके भतीजे अजित पवार ने जुलाई 2023 में पार्टी से बगावत की और उनका गुट सत्तारूढ़ महायुति में शामिल होकर सरकार का हिस्सा बन गया। शरद पवार के कई करीबी सहयोगी, जैसे प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और दिलीप वालसे-पाटिल भी अजित पवार के खेमे में चले गए थे।

दिल्ली में आज व कल बारिश की संभावना

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को ठंडा मौसम रहा तथा सुबह आसमान में बादल छाए रहे एवं हल्की से मध्यम धुंध छाई रही।

मौसम विभाग ने बताया कि आज का अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है और सुबह का न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। गुरुग्राम में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 31 जनवरी से दो फरवरी के बीच बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। शनिवार को कई जगहों पर मध्यम कोहरे और कुछ जगहों पर घना कोहरा हो सकता है। दोपहर और शाम तक आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। रात के समय बहुत हल्की बारिश की संभावना है और 30 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

- मौसम विभाग ने मध्यम से घना कोहरा होने की भी संभावना जताई है।

'शंकराचार्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उनकी योजना पूर्णिमा के दिन वाराणसी में ही स्नान करने की है। मौनी अमावस्या के दिन भीड़ अधिक होने की बात कहकर उनकी पालकी को संगम जाने से रोका गया। अधिकारियों ने उनसे नीचे उतरकर पैदल नदी तक जाने को कहा, तो पुलिस और उनके शिष्यों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद, वे धरने पर बैठ गये और अपने अपमान को लेकर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पद पर बने रहने के खिलाफ बयान दिया। उन्होंने यह भी आ ान किया था कि मार्च के मध्य में चारों शंकराचार्य दिल्ली में एकत्र हों, ताकि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों को सबक सिखाया जा सके।

अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच सीआईडी करेगी

मुंबई, 30 जनवरी । महाराष्ट्र के बारामती जिले में 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की दुखद मृत्यु की जाँच राज्य के अपराध जाँच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, शुरुआत में इस मामले की जाँच पुणे ग्रामीण पुलिस कर रही थी। पुणे ग्रामीण पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया था। सरकार ने पुणे ग्रामीण पुलिस को अब तक जुटाए गए मामले के विवरण और सुबूत राज्य सीआईडी को सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य सीआईडी ने अपनी जाँच शुरू कर दी है और वह बारामती एयरफील्ड में सुरक्षा चूक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं की जांच करेगी।

उमर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दक्षिणपंथी संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के धन से चलने वाले इस कॉलेज में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अब्दुल्ला ने साँबा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, "संघर्ष समिति मेडिकल कॉलेज बंद होने का जश्न मना रही है। दूसरे देशों में लोग मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन यहां लोग उसे बंद कराने के लिए लड़ रहे हैं। अगर आप बच्चों का भविष्य बर्बाद होने पर खुश हैं, तो पटाखे चलाकर जश्न मनाइए।"

इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर वार्ताओं के सफल समापन का स्वागत किया और इसे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं में कमी से दोनों पक्षों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए अवसर बढ़ेंगे।

बंगा ने कहा, सभी व्यापार समझौते महत्वपूर्ण होते हैं, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले दो दशकों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार चार गुना बढ़ा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो गई है। "भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएँ अब अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अहम हिस्सा हैं।"

हालांकि, बंगा ने आगाह किया कि एफटीए को सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए, ताकि भारत या यूरोप के घरेलू उद्योगों को नुकसान न पहुँचे। उन्होंने कहा कि सुधारों का सही क्रम आर्थिक संतुलन बनाए रखते हुए बाजार खोलने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती अनिश्चितता और अमेरिका की ओर से जारी शुल्क दबावों की पृष्ठभूमि में बंगा ने भारत से "शुल्कों पर कम और अवसरों पर ज्यादा ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि भारत की आर्थिक संरचना निर्यात पर निर्भर अन्य अर्थव्यवस्थाओं से अलग है, जहाँ घरेलू उपभोग और पूंजी निर्माण विकास के प्रमुख चालक हैं।

बंगा ने कहा, "भारत-ईयू समझौते में बातचीत शुल्क पर नहीं, बल्कि अवसरों पर है, उन्होंने यह भी कहा कि कई अन्य देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था में निर्यात की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

बंगा ने पाँच ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जहाँ आने वाले वर्षों में भारत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन कर सकता है, बुनियादी ढाँचा, कृषि, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यटन और मूल्य-वर्धित विनिर्माण। सही नीतिगत ढाँचे के साथ ये क्षेत्र बड़ी संख्या में कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को रोजगार दे सकते हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमानित 6.8-7.2 प्रतिशत की विकास दर पर टिप्पणी करते हुए बंगा ने कहा कि भारत पहले ही यह साबित कर चुका है कि वह विश्व के चुनौतीपूर्ण माहौल में भी असाधारण विकास बनाए रख सकता है। लेकिन उन्होंने जोर दिया कि इस गति को कायम रखने के लिए भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और मानव पूंजी, दोनों में निरंतर निवेश जरूरी होगा।

स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए, उन्होंने कहा, भारत को व्यापार, अनुकूल नीतियाँ, प्रभावी विनियमन और निजी क्षेत्र को वित्त उपलब्ध कराने पर मजबूत फोकस की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, "विकास कौशल, पूंजी और अवसर के संयोजन से आता है।"

- अतः भारत को घटते-बढ़ते टैरिफ की चिंता छोड़कर इस बात पर फोकस करना चाहिए कि देश के सम्मुख व्यापार के कितने सुअवसर उपस्थित हुए हैं। भारत और यूरोपियन यूनियन का व्यापारिक समझौता भी अच्छा अवसर है। पर, इसका लाभ तभी मिलेगा, जब भारत का युवा अपने हुनर (स्किल) से, बढ़ते व्यापार का हिस्सा बने।

भारतीय वैज्ञानिकों ने सुपरकैपेसिटर बनाया

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। देश के वैज्ञानिकों ने फोटो कैपसिटर नाम से एक ऐसा ऐसा सुपर कैपसिटर विकसित किया है जो सूरज की रोशनी से स्वत: ऊर्जा लेकर उसे संग्रहित भी कर सकता है। माना जा रहा है कि यह स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम हो सकता है, जो पोर्टेबल और ऑफ ग्रिड प्रौद्योगिकी के लिए उपयोगी है। प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (सीईएनएस), बेंगलुरु द्वारा विकसित इस नए फोटो-रिचार्जेबल सुपरकैपसिटर ने सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने और उस ऊर्जा को बाद में उपयोग के लिए संग्रहित करने की दोनों प्रक्रियाओं को सहजता से संयोजित किया है।

- सौर ऊर्जा में बेहद जरुरी यह उपकरण सूरज की रौशनी से ऊर्जा लेकर उसे संग्रहित कर सकता है।

दिल्ली पुलिस ने नकली ब्रॉडेड जूते बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

इसमें नाइकी, एडिडास सहित अधिकांश अन्तर्राष्ट्रीय ब्रांड के नकली जूते बनाए जाते हैं

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। दिल्ली पुलिस की आपराध शाखा ने नाइकी, एडिडास, न्यू बैलेंस और स्केचर्स जैसे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के नकली जूते बनाने वाली एक बड़ी फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सोनिया विहार के चौहान पट्टी स्थित अंबे एन्क्लेव निवासी संदीप सिंह (44) को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई अपराध शाखा की सूत्रधार, जालसाजी और अपहरण विरोधी सेल (एईकेसी) की टीम द्वारा की गई। टीम को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में ब्रांडेड कंपनी के नकली जूते बनाने के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद निगरानी की गयी और फिर विशेष टीम ने वहां छापेमारी की।

बुधवार को की गई इस छापेमारी के दौरान पुलिस को छह भारी हीटिंग प्रेस मशीनें, नौ प्रिंटिंग स्क्रीन, ब्रांड लोगो प्रिंट करने वाली 131 डाई, छह पीवीसी रोल के साथ-साथ जूतों के 9,616 ऊपरी हिस्से और ब्रांडेड कंपनियों के 1,667 स्टिकर मिले, जिन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया।

पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) संजय यादव ने कहा, "यह पुष्टि हुई है कि यह फैक्टरी बिना किसी अनुमति के चल रही थी और जब्त किया गया सामान बड़े पैमाने पर नकली जूते आपूर्ति करने के लिए तैयार किया गया था।"

उत्तर प्रदेश के बस्ती के रहने वाले आरोपी संदीप सिंह वर्ष 2000 में दिल्ली आए थे और शुरुआत में चावड़ी बाजार की एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करते थे। अधिकारी ने कहा, "बीते सालों में वह प्रिंटिंग के काम से निकलकर नकली जूते बनाने की पूरी फैक्टरी चलाने लगा।"

अधिकारी ने अपने बयान में आगे कहा कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और कॉपीराइट उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। इस गिरोह में शामिल अन्य साथियों और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए टीम आगे की जांच कर रही है।

- यह कम्पनी उत्तर प्रदेश में बस्ती के रहने वाले संदीप सिंह की है, जो सन् 2000 में दिल्ली आया था और तब एक प्रिंटिंग प्रैस में काम करता था।

राष्ट्रपति मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या आयेंगी

अयोध्या, 30 जनवरी । श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि 19 मार्च को हिंदू नव वर्ष के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या आगमन को लेकर अनौपचारिक सहमति मिल गई है। इस अवसर पर राम मंदिर परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मंदिर निर्माण से जुड़े लगभग 400 श्रमिकों को राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

मिश्र ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 400 वर्ष पुरानी वाल्मीकि रामायण राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपी गई है, जो ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य द्वारा राम यंत्र स्तोत्र भी ट्रस्ट को सौंपा गया है।

इन पवित्र ग्रंथों को मंदिर परिसर में सुरक्षित रखा गया है और गर्भगृह में स्थापित किए जाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए एक विशेष चयन समिति गठित की जाएगी तथा ट्रस्ट शीघ्र ही सार्वजनिक विज्ञापन जारी करेगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908